हिन्दी सान्ध्य दैनिक जौनपुर,लखनऊ व भदोही से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live &
dkunews24

वर्ष : 01 अंक–38 : जौनपुर, गुरुवार 29 सितम्बर 2022 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

छह महीने में बदली धारणा : एक बार भी स्थगित नहीं हुई कार्यवाही –यूपी विधानसभा अध्यक्ष

लखनऊ ब्यूरो : यूपी के विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने अपने छह महीने के कार्यकाल की उपलब्धियां बताई। उन्होंने कहा कि इन छह महीनों में विधानसभा को लेकर परसेप्शन बदला है। इस बार एक भी बार विधानसभा की कार्यवाही स्थगित नहीं की गई है। प्रश्नकाल में 20–20 प्रश्न लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सदन की कार्यवाही ठीक तरह से चलाने में नेता सदन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव से भी सहयोग मिला। सभी विधायकों का भी सदन संचालन में सहयोग मिला। प्रधानमंत्री मोदी ने दिए थे टिप्स इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुझे काम करने के टिप्स दिए थे। उसके अनुसार काम कर नई परम्परा शुरू की। गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र ने भी हमारा अनुसरण किया है। आगे विधानसभा संचालन नियमावली का सरलीकरण किया जाएगा। महिला सदस्यों के सत्र की बुकलेट प्रकाशित कराई जाएगी। उसे सभी विधानसभा और लोकसभा में भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि डॉक्टर, महिला, पहली बार निर्वाचित सदस्य, प्रोफेशनल और वरिष्ठ विधायकों का ग्रुप बनाकर उनसे बात की।

जो कि नई परंपरा थी। 170 सदस्यों से बात कर चुका हूं। वकील, शिक्षक व विधायकों का ग्रुप भी बनाएंगे। उन्होंने बताया कि हमने विधानसभा लॉबी में विधायकों के सोने की व्यवस्था समाप्त की है। लॉबी में कॉफी मशीन लगाई गई हैं। विधायकों का ग्रुप बनाकर उद्योगपतियों के पास भेजेंगे विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 10 खरब डॉलर की बनाने के लिए काम कर रहे हैं। विधायकों का ग्रुप बनाकर उद्योगपतियों के पास भेजेंगे। विधायक उन्हें निवेश के लिए आमंत्रित करेंगे। उन्होंने बताया कि 15 दिसम्बर 2022 को विधानसभा भवन की स्थापना के 100 साल पूरे हो जाएंगे

आमरण अनशन पर बैठने वाले कर्मियों के नाम सम्बन्धित यूनियन का पत्र जारी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। इरिगेशन डिपार्टमेंट एंप्लाइज यूनियन के प्रांतीय महामंत्री सुरेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि यूनियन द्वारा दिनांक 27.09.2022 से विभागीय आपसी सहमति के आधार पर उप श्रमायुक्त के परामर्श निर्देश / आदेश का अनुपालन करने हेतु धरना दिया जा रहा है, यूनियन द्वारा लिखित से सूचित किया गया है, कि दिनांक 29.09. 2022 से आमरण अनशन शुरू कर दिया जायेगा। यूनियन द्वारा पंडित दीन दयाल उपाध्याय सांस्कृतिक संग्रहालय व पार्क सिंचाई विभाग में 16 वर्षो से निरन्तर कार्यरत कर्मियों का पुर्नस्थापन / समायोजन करने हेतु मा० उपश्रमायुक्त के आदेश का अनुपालन करने की महान कृपा हो जो विभाग के आपसी सहमति के आधार पर निर्णित हुआ है। मा० उप श्रमायुक्त के आदेश / निर्देश का अनुपालन करने हेतु मा० उप मुख्यमंत्री, उ0प्र0 सरकार आदरणीय ब्रजेश पाठक जी ने भी लिखा है, साथ ही साथ कई वरिष्ठ जन नायकों द्वारा भी पुर्नस्थापना / समायोजन के लिए लिखा गया है जो सारे पत्र आपके पास आपके कार्यालय उपलब्ध साथ ही साथ सबसे महत्वपूर्ण यह भी है कि मा० न्यायालय द्वारा सम्बन्धित कर्मियों का अवशेष वेतन देने के लिए भी विभाग को भी आदेशित किया गया है। ज्ञात हुआ है कि अवशेष वेतन भी विभाग द्वारा मा० न्यायालय में जमा कर दिया गया है। अस्तु उपरोक्त से स्पष्ट है सम्बन्धित सभी कर्मी विभागीय है । अतएव यूनियन के पत्र दिनांक 21.09.2022 पर पुनः वार्ता कर पुर्नस्थापन / समायोजन की कार्यवाही यूनियन के माध्यम से सुनिश्चित कराने की कृपा करें। यदि पुनः मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए आप महोदय वार्ता करें तो यूनियन वार्ता करने के

लिए तैयार है, और आमरण अनशन रोका जा सकता है। यदि वार्ता नहीं की जाती है तो कल दिनांक 29.09.2022 से हमारे निम्न कर्मचारी आमरण अनशन पर बैठेंगे और उपरोक्त व पूर्व में दिये गये यूनियन के पत्रों व उप श्रमायुक्त के निर्णय व मा० न्यायालय के निर्णय व जन नायकों के निर्देश के माध्यम से सार्थक निर्णय समायोजन हेतु नहीं किया जाता है तो सभी कर्मी मरने के लिए तैयार है आमरण अनशन पर बैठने वालो कर्मियों के नाम क्रमशः (1) पूनम सक्सेना पत्नी श्री गणेश सक्सेना (2) किरन देवी पत्नी श्री अशोक कुमार (3) संदीप मिश्र पुत्र मनोकानिका मिश्र (4) बृजेश यादव पुत्र खखनू यादव (5) रमेश पुत्र ब्रम्हदीन (6) रमेश शर्मा पुत्र लल्ला शर्मा हैं। उपरोक्त को दृष्टिगत रखते हुए पुनः मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए यूनियन / कर्मियों से वार्ता कर सार्थक निर्णय लेते हुए मा० उप श्रमायुक्त व मा० न्यायालय के आदेश / निर्देश व मंशानुरूप व मा० उप मुख्यमंत्री व अन्य वरिष्ठ नेताओं के पत्रों का सम्मान करते हुए पर्व की भांति समायोजन / पुर्नस्थापन की कार्यवाही यूनियन के माध्यम से सुनिश्चित करायें, जिससे कि कर्मियों के आमरण अनशन करने से बचा जा सके और किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। यदि वार्ता कर सार्थक निर्णय नहीं लिया जाता है तो आमरण अनशन के दौरान यदि हमारे कर्मियों के साथ कोई भी अप्रिय घटना घटित होती है तो उसकी सारी जिम्मेदारी आप महोदय की होगी।

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - dku live चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें– उ0प्र0 के सभी जनपदों एवं तहसीलों से पत्रकार बननें के लिए सम्पर्क करें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

अभा साहित्य परिषद एवं हिंदी परिवार महू के तत्वाधान में आयोजित सरस काव्य गोष्ठी!

महू, मध्यप्रदेश (विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी) : तृप्ती मिश्रा के निज निवास पर संपन्न हुयी। कार्यक्रम का संचालन यश कौशल द्वारा

किया गया। यह आयोजन हिंदी दिवस एवं सरदार भगत सिंह जयंती पर्व पर केंद्रित रहा। आयोजन में पधारे कवियो में विनोद सिंह गुर्जर, यश कौशल (संचालन), डॉ विमल कुमार सक्सैना, रमेश जैन ''राही'', राधेश्याम गोयल, पायल परदेशी, भगवान दास तरंग, सुश्री तृप्ती मिश्रा, दीपक जैसवानी, गगन खरे, श्रीमती मीनाक्षी यादव, राजेश शर्मा, दामोदर विरमाल, रविन्द्र पंवार एवं आशुकवि केपी चौहान आदि ने काव्य पाठ किया। अंत में हिंदी दिवस की बधाई प्रेषित करते हुये कार्यक्रम संयोजक तृप्ति मिश्रा ने आभार व्यक्त किया।

26 सितम्बर से प्रारम्भ होकर 05 अक्टूबर 2022 को विजय दशमी तक मनाया जायेगा नवरात्र का पर्व : जिला मजिस्ट्रेट

जौनपुर सू.वि. : जिला मजिस्ट्रेट ने अवगत कराया है कि इस वर्ष जनपद में दुर्गापूजा एवं विजय दशमी (दशहरा) पर्व के अंतर्गत मुख्य पर्व महाअष्टमी, महानवमी एवं विजय दशमी (दशहरा) 26 सितम्बर 2022 से प्रारम्भ होकर 05 अक्टूबर 2022 को विजय दशमी तक मनाया जायेगा। जनपद के नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रो में विभिन्न संस्थाओं / समितियों द्वारा जगह–जगह पण्डाल बनाकर 26 सितम्बर 2022 से माँ दुर्गा जी की प्रतिमा स्थापित कर पूजन अर्चन प्रारम्भ किया गया है। स्थापना की तिथि से विसर्जन तक पण्डालों में स्थित माँ दुर्गा जी के दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की देर रात्रि तक भारी भीड़ होती है। पर्व के अवसर पर नगर के मोहल्ला–सुतहट्टी, भण्डारी, टाउन हाल, हुसेनाबाद कालोनी ट्यूबेल कालोनी आदि स्थानों पर तथा ग्रामीण क्षेत्रों में कस्बा मुगराबादशाहपुर, मछलीशहर, मडियाहूँ, धनियामऊ, खेतासराय, शाहगंज, बदलापुर एवं केराकत तहसील के विभिन्न क्षेत्रों में श्री रामलीला का मंचन किया जाता है, जहाँ पर भी देर रात्रि तक दर्शनार्थियों की भीड़ एकत्रित होती है, जिससे देर रात्रि तक आवागमन बना रहता है। उक्त के दृष्टिगत माँ दुर्गा पूजा एवं रामलीला प्रारम्भ से प्रतिमाओं के विसर्जन (विजय दशमी एवं उसके एक दिन बाद) तक शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गयी है। गोमती नदी (विसर्जन घाट) पर अतिरिक्त उप जिलाधिकारी (प्रथम / द्वितीय) लाल बहादुर को तैनात किया गया है। इसके साथ ही विभिन्न मार्ग एवं विसर्जन घाट पर मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गयी है साथ ही थानावार स्टैटिक मजिस्ट्रटों की भी तैनाती की गयी है जो भ्रमणशील रहकर अपने अपने क्षेत्र में तैनाती पुलिस अधिकारी से समन्वय स्थापित करते हुए शान्ति एवं विधि व्यवस्था के सुनिश्चित करायेंगे तथा किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न होने पर जिला मजिस्ट्रेट एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं अपने निकटतम् उच्चाधिकारी / नगर मजिस्ट्रेट / सम्बन्धित उप जिला मजिस्ट्रेट को तत्काल अवगत करायेंगे।

जिलाधिकारी द्वारा प्रधानों के स्तर पर लंबित जांच के संबंध में नामित जांच अधिकारियों के साथ बैठक संपन्न

जौनपुर सू.वि. : जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में प्रधानों के स्तर पर लंबित जांच के संबंध में नामित जांच अधिकारियों के साथ बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा क्रमवार समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि जितनी भी जांचें दी गई हैं शीघ्र अति शीघ्र पूर्ण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें अन्यथा की दशा में सख्त कार्यवाही की जाएगी। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी के द्वारा अभी तक एक भी जांच नहीं किए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए चेतावनी जारी करने के निर्देश दिए। जिला विद्यालय निरीक्षक बैठक में अनुपस्थित थे और उनके द्वारा एक भी जांच नहीं की गई, जिस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश जिलाधिकारी के द्वारा दिए गए। उन्होंने कहा कि आज जितने भी अधिकारी अनुपस्थित है, उनका आज का वेतन काटा जाएगा। जिला आबकारी अधिकारी के स्तर पर 2014 से लंबित जांच है जिस पर उन्हें स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि 02 दिन के भीतर जांच पूरी कर रिपोर्ट दें अन्यथा जिम्मेदारी तय की जाएगी। जिलाधि

ाकारी ने कहा कि पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, एआर कॉपरेटिव एवं जिला विकास अधिकारी के द्वारा प्रधानों की जांच के संबंध में अच्छा कार्य किया गया है। उन्होंने अन्य अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जितनी भी जांच कर दी गई है जल्द से जल्द पूर्ण कर रिपोर्ट प्रस्तुत कर दें। उन्होंने कहा कि जांच निष्पक्ष एवं पारदर्शी होनी चाहिए किसी भी प्रकार की शिकायत न आने पाए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी भू–राजस्व रजनीश राय, उपायुक्त मनरेगा भूपेंद्र सिंह, जिला विकास अधिकारी बी.बी. सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

इन्दिरा गांधी स्टेडियम सिद्दीकपुर में ''गांधी जयन्ती'' पर 05 किमी0 वाक रेस का होगा आयोजन

जौनपुर सू.वि. : उप क्रीड़ा अधिकारी, चन्दन सिंह ने अवगत कराया है कि खेल निदेशालय उ0प्र0, लखनऊ द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 02 अक्टूबर, 2022 को आजादी के अमृत महोत्सव ''गांधी जयन्ती'' के शुभ अवसर पर जिला खेल कार्यालय, जौनपुर के तत्वावधान में बालक वर्ग की 05 किमी0 वाक रेस (पैदल चाल) प्रतियोगिता का आयोजन प्रातः 7.00 बजे से इन्दिरा गांधी स्टेडियम सिद्दीकपुर में किया जायेगा। प्रतियोगिता में किसी भी आयु वर्ग का खिलाड़ी प्रतिभाग कर सकता है, प्रविष्टि निःशुल्क है। प्रतियोगिता में प्रथम छः स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को खेल विभाग द्वारा पुरस्कृत किया जायेगा। इच्छुक खिलाड़ी अपने नाम की प्रविष्टि 01 अक्टूबर, 2022 तक कार्यालय अवधि में जिला खेल कार्यालय, इन्दिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम में उपस्थित होकर करा सकते हैं। प्रतिभागिता पूर्ण होने पर प्रविष्टि का कार्य समाप्त कर दिया जायेगा। अधिक जानकारी के लिए जिला खेल कार्यालय में उपस्थित होकर अंशकालिक मानदेय एथलेटिक्स प्रशिक्षक कृष्ण कुमार यादव से सम्पर्क कर सकते हैं।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में चकबंदी कार्य की समीक्षा बैठक संपन्न

जौनपुर सू.वि. : जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में चकबंदी कार्य की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में ऐसे गाँव जिनमे 50 साल से चकबंदी लंबित है कि विस्तार से समीक्षा की और निर्देशित किया कि इन गांवो में अभियान चलाकर चकबंदी कार्य पूर्ण कराये। उन्होंने सी.ओ. चकबंदी शाहगंज को सख्त निर्देश दिया कि 01 महीने के भीतर ग्राम सुरिस एवं पिलकिछा गांव में चकबंदी कार्य पूर्ण कराये। सभी चकबन्दी अधिकारी गाँव मे ही कैम्प करें। आदेश के बाद भी जॉइन नही करने पर मड़ियाहूं के कारो गाँव में लेखपाल को निलंबित करने की कार्यवाही करें। जिलाधिकारी के द्वारा तहसील बदलापुर के ढेमा गाँव, तहसील मछलीशहर के पौहा गाँव, केराकत के उदयचंदपुर, सदर के सलेड़ी गाँव, जमैंथा, बेलछा गाँव की समीक्षा की और डीडीसी सोमनाथ मिश्र को निर्देश दिया कि अच्छे लेखपाल एवं कानूनगों की टीम लगाकर इन गांवों के चकबन्दी का कार्य पूर्ण कराये। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि वादों का निस्तारण शत–प्रतिशत कराए। चकबन्दी अधिकारी प्रतिदिन सुनवाई करे, पुराने मुकदमे किसी भी दशा में लंबित न रहे। डीडीसी चकबंदी ने बताया कि 26 सितंबर से 01 अक्टूबर तक वरासत के प्रकरण को निस्तारण के लिए अभियान चलाया गया है जिसके क्रम में 300 वरासत के प्रकरण निस्तारित किए गए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि किसी भी गांव में मृतक के वरासत के प्रकरण लंबित न रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि चकबंदी वाले गांव में अवैध कब्जे की शिकायत आई तो चकबंदी अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी भू–राजस्व रजनीश राय, एस.ओ.सी. शितलेन्द्र सिंह सहित अन्य चकबंदी अधिकारी गण उपस्थित रहे।

सभी कष्ट हर लेता है राम नाम का जाप –स्वामी रामानंद सरस्वती

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ. भक्त की करुण पुकार भगवान को द्रवित कर देती है. कभी – कभी भक्त के वश में होकर प्रभु अपने नियम भी बदल देते हैं. राम नाम का जाप ऐसी महाऔषधि है जो साधक के सभी कष्ट क्षणमात्र में दूर कर देती है. यह बात अमेरिका से आये स्वामी रामानंद सरस्वती ने श्रीसिद्धेश्वर महादेव मंदिर पार्क (बी ब्लॉक इंदिरा नगर) में आयोजित सुंदर कांड के बाद राम कथा में कही. उन्होंने कहा कि जीवन में परेशानी की बड़ी वजह ईश्वर के प्रति आस्था में कमी है. जब तक प्रभु के प्रति पूर्ण समर्पण नहीं होगा तब तक भगवत् कृपा की प्राप्ति संभव नहीं है। हनुमत् कृपा ट्रस्ट व इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर स्प्रिचुअल एडवांसमेंट (आइसा) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में स्वामी जी व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती अरुणा द्विवेदी ने भक्ति भाव से संगीतमय सस्वर सुंदर कांड पाठ किया जिसमें धर्मेंद्र सक्सेना व सी के त्रिपाठी आदि श्रद्धालु जनों ने पूरा साथ दिया.सुंदर कांड पाठ के बाद ट्रस्ट अध्यक्ष नरेश दीक्षित ने स्वामी जी का माल्यार्पण किया और शाल ओढ़ाकर तथा प्रभु श्रीराम, हनुमान जी व पूज्य बाबा नीब करौरी महाराज जी के चित्र वाला मढ़ा कलेंडर देकर सम्मानित किया. सिद्धेश्वर महादेव मंदिर समिति की अध्यक्ष नीलम दीक्षित ने श्रीमती अरुणा जी का माल्यार्पण कर व स्ट्राल भेंट कर सम्मानित किया. कार्यक्रम में भंडारे का प्रबंध आइसा से जुड़े अमेरिका में रह रहे श्रीमती व श्री राम कुमार कश्यप ने किया जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु जनों ने प्रसाद ग्रहण किया.नवरात्र के दूसरे मंगलवार को आयोजित सुंदर कांड

व भंडारे में जो प्रमुख हनुमत् प्रेमी शामिल हुए उनमें वरिष्ठ पत्रकार वीर विक्रम बहादुर मिश्र, अनूप चतुर्वेदी, अशोक द्विवेदी, राजीव श्रीवास्तव, रामदेव मिश्र, सम्पत्ति कुमार मिश्र ' भ्रमर बैसवारी ', पाठक जी, शिवाराम मिश्र, एस. डी. दीक्षित, आशीष दीक्षित, आकाश दीक्षित, विवेक शुक्ल, अभिषेक द्विवेदी, अमित द्विवेदी, रमेश शर्मा, डॉ अरविन्द पाण्डेय, आचार्य आर एल पाण्डेय, प्रमोद शुक्ल, श्रीराम मिश्र, नंद लाल यादव, धीरज गिहार, अमित श्रीवास्तव, जितेंद्र कुमार,आदि हैं.सुंदर कांड में मंदिर समिति से जुड़ी जिन महिला भक्तों ने हिस्सा लिया उनमें श्रीमती उमा त्रिपाठी, सरिता श्रीवास्तव, मृदुला गुप्ता, सीमा दीक्षित, विजय दीक्षित, शर्मिला गुप्ता, बेबी पाण्डेय, मीनू गुप्ता, रामेश्वरी मिश्रा, संतोष शुक्ला, प्रीती दीक्षित, मालती दीक्षित, शशी गुप्ता, नीलम त्रिपाठी, अपर्णा शुक्ला, नीलम मिश्रा, मिथिलेश तिवारी, प्राची, शिवानी, किरण, निक्की, नीलू मिश्रा, राजेश्वरी पाठक, सत्या त्रिपाठी, प्रियंवदा मिश्रा, पूजा शर्मा व सुषमा आदि प्रमुख हैं।

मानवाधिकार जनसेवा परिषद के तत्वावधान में 18 से 59 वर्ष के नागरिकों को निःशुल्क वैक्सीन की बूस्टर डोज

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ – कोरोना से बचाव के लिए मानवाधिकार जनसेवा परिषद के तत्वावधान में स्वास्थ्य विभाग द्वारा छात्र–छात्राओं, नागरिकों तथा वरिष्ठ नागरिकों को कोरोना से बचाव के लिए निःशुल्क वैक्सीनेशन कैम्प लगाए जा चुके हैं। इसी क्रम में आज मानवाधिकार जनसेवा परिषद के विवेक खण्ड, गोमतीनगर स्थित कार्यालय पर 18 से 59 वर्ष के नागरिकों व वरिष्ठ नागरिकों को बूस्टर डोज लगवाने हेतु विशेष कैम्प आयोजित किया गया जिसमें नागरिकों को कोविशील्ड तथा कोवैक्सीन लगाई गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चिनहट के स्वेता सिंह तोमर, सुशीला तथा राहुल ने वैक्सीनेशन कैम्प में अपनी सेवाएं प्रदान की। मानवाधिकार जनसेवा परिषद के अध्यक्ष रूप कुमार शर्मा ने बताया कि

मानवाधिकार जनसेवा परिषद के द्वारा युवाओं को अंतिम बार निःशुल्क वैक्सीन उपलब्ध कराने हेतु इस कैम्प का आयोजन किया था। इस अभियान में मानवाधिकार जनसेवा परिषद के अध्यक्ष रूप कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार शर्मा, कोषाध्यक्ष रितेश शर्मा, रेखा शर्मा, कार्तिका माथुर, अर्थ शर्मा, माजिद अली खान, अनन्या शर्मा सहित अन्य लोगों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–
जिस हाथ से अच्छा कार्य हो, वह हाथ तीर्थ है।
–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

आतंकवाद के वित्तपोषक संगठनों पर कुठाराघात की जरूरत

इस बार पीएफआई से जुड़े लोगों पर ठोस कार्रवाई हुई है और आगे भी होनी है। तमाम लोगों के बायोमीट्रिक्स, हिस्ट्री शीट और संपत्ति के ब्योरे पुलिस के पास हैं। यूएपीए की जिन धाराओं के तहत कार्रवाई हुई है, उनमें कम से कम चौदह साल की सजा होनी है। बहुतेरे लोगों की पूरी उम्र जेल की सलाखों के पीछे गुजर जाएगी।

आतंकी फंडिंग और अन्य गतिविधियों के कारण पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया यानी पीएफआई और उसके अनुषंग संगठनों पर लगाए गए प्रतिबंध का मैं स्वागत करता हूं। यह कदम और पहले उठाया जाना चाहिए था। गौर करने की बात है कि वर्ष 2011 में इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) ने डीजीपी के सम्मेलन में यह सूचित किया था कि पीएफआई केरल और कर्नाटक के जंगलों में शस्त्राभ्यास कर रहा है। उसके ग्यारह साल बाद अब जाकर इस पर कार्रवाई हुई है।

हालांकि पीएफआई के हिंसात्मक क्रियाकलापों को देखते हुए सरकार ने इस पर शिकंजा कसने की तैयारी कर ली थी। इसी के तहत देश भर में पीएफआई से जुड़े लोगों की शिनाख्त के लिए बड़े पैमाने पर और दो बार छापे मारे गए। पहले चरण में 22 सितंबर को एनआईए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) और ईडी (प्रवर्तन निर्देशालय) ने देश भर में पीएफआई के दफ्तरों पर छापे मारे और इसके नेताओं/सरगनाओं को हिरासत में लिया और गिरफ्तार भी किया।

फिर अलग–अलग राज्यों में पुलिस ने 27 सितंबर को इस संगठन के ठिकानों पर छापा मारा और इससे जुड़े और लोगों को शिकंजे में कसा। और अब आखिरकार इस पर पांच साल का प्रतिबंध लगा दिया गया है। दक्षिण भारत के तीन मुस्लिम संगठनों–केरल के नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट, कर्नाटक के फोरम ऑफ डिग्निटी और तमिलनाडु के मनिता नीति पसाराई को मिलाकर पीएफआई का गठन हुआ था।

सिमी (स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया) और आईएम (इंडियन मुजाहिदीन) पर लगे प्रतिबंध के बाद उभरे इस संगठन ने खुद को अल्पसंख्यकों, दलितों और हाशिये पर के समुदायों के अधिकारों के लिए लड़ने वाले संगठन के रूप में पेश किया। वर्ष 2009 में पीएफआई से ही एसडीपीआई (सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया) नाम का राजनीतिक दल निकला। पीएफआई भले चुनाव नहीं लड़ता, लेकिन एसडीपीआई का दक्षिण भारत के मुस्लिम बहुल इलाकों में असर है।

दक्षिण कन्नड़ के तटीय इलाकों और उडुपी में उसने न सिर्फ अपनी उपस्थिति दर्ज की है, बल्कि स्थानीय स्तर के चुनाव में कमोबेश सफलता भी हासिल की है। वर्ष 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में दक्षिण कन्नड़ से इसके उम्मीदवार खड़े हुए थे, जिन्हें क्रमशः एक और तीन फीसदी वोट मिले थे। लेकिन दक्षिण भारत में बहुत जल्दी पीएफआई का असली चेहरा नजर आ गया। वर्ष 2012 में ओमान चांडी के नेतृत्व वाली यूडीएफ सरकार ने उच्च न्यायालय को बताया था कि पीएफआई कोई स्वतंत्र संगठन नहीं, बल्कि प्रतिबंधित संगठन सिमी का ही नया रूप है।

अदालत में हलफनामा दाखिल कर चांडी सरकार ने बताया था कि पीएफआई पर माकपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 27 कार्यकर्ताओं की हत्या के मामले हैं, और हत्या का उद्देश्य सांप्रदायिक है। उसके दो साल बाद केरल सरकार ने अदालत में दाखिल एक दूसरे शपथपत्र में कहा कि पीएफआई का छिपा एजेंडा धर्मांतरण, इस्लाम के हक में मुद्दों का सांप्रदायीकरण और इस्लाम के दुश्मनों का खात्मा करने के लिए कट्टर मुस्लिम युवा तैयार करना है।

इन क्रियाकलापों के जरिये वह समाज का इस्लामीकरण करना चाहता है। केरल में पीएफआई की सबसे मजबूत उपस्थिति है, जहां इसके सदस्यों पर हत्या करने, दंगा फैलाने, धमकाने और आतंकी संगठनों से संबंध रखने के आरोप हैं। खुद केरल उच्च न्यायालय इस साल पीएफआई को चरमपंथी संगठन कह चुका है। इसके बाद इसके खतरनाक इरादों के बारे में किसी को संदेह नहीं रह जाना चाहिए। पीएफआई का जन्म भले ही दक्षिण भारत में हुआ हो, लेकिन सुनियोजित तरीके से इसने देश के दूसरे हिस्सों में भी अपने पांव फैलाए।

इसी के मद्देनजर उत्तर प्रदेश में भी पीएफआई के खिलाफ बड़ी कार्रवाई हुई और 50 से ज्यादा जिलों में इसके सदस्यों को पकड़ने का अभियान चलाया गया। उत्तर प्रदेश में पिछले कई साल से पीएफआई के सदस्य सक्रिय थे। लेकिन पुलिस की सख्ती और चौकसी के कारण यहां वे छिप–छिपाकर अपनी गतिविधियां चलाने को मजबूर थे। हालांकि पीएफआई के सबसे ज्यादा सदस्य कर्नाटक में पकड़े गए। यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि इसका प्रभाव क्षेत्र दक्षिण भारत में ही ज्यादा है।

जो लोग यह कह रहे हैं कि सिमी और आईएम पर लगे प्रतिबंध के बाद जिस तरह पीएफआई उभरा, उसी तरह इस पर प्रतिबंध लगने के बाद आने वाले दिनों में ऐसा ही कोई दूसरा संगठन खड़ा हो सकता है, वे बिल्कुल गलत कह रहे हैं। सिमी और आईएम पर जो प्रतिबंध लगे थे, वे सिर्फ उन संगठनों पर लगे थे, उनसे जुड़े लोगों पर नहीं। जबकि संगठनों को लोग ही चलाते हैं, संगठनों का अलग से महत्व नहीं होता। उन आधी–अधूरी कार्रवाइयों का नतीजा यह हुआ कि सिमी और आईएम से जुड़े लोगों ने दूसरा संगठन खड़ा कर लिया।

इस बार पीएफआई से जुड़े लोगों पर ठोस कार्रवाई हुई है और आगे भी होनी है। तमाम लोगों के बायोमीट्रिक्स, हिस्ट्री शीट और संपत्ति के ब्योरे पुलिस के पास हैं। यूएपीए की जिन धाराओं के तहत कार्रवाई हुई है, उनमें कम से कम चौदह साल की सजा होनी है। बहुतेरे लोगों की पूरी उम्र जेल की सलाखों के पीछे गुजर जाएगी। विडंबना यह है कि एक खतरनाक संगठन के खिलाफ सरकार द्वारा कदम उठाए जाने के बावजूद इसे राजनीतिक चश्मे से देखा जा रहा है।

विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के कई नेताओं ने, जिनमें पश्चिम उत्तर प्रदेश के एक नेता भी हैं, इस कार्रवाई की आलोचना की है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। पीएफआई के खिलाफ सख्त कदम उठाने के लिए गृह मंत्रालय, प्रवर्तन निर्देशालय यानी ईडी और एनआईए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) की भूमिका निश्चित तौर पर सराहनीय है। लेकिन इस मोर्चे पर अभी यह शुरुआत है, इसे अपने कर्तव्य की इतिश्री नहीं समझना चाहिए।

पीएफआई के खतरे को हमेशा के लिए खत्म करने के लिए तीन मोर्चे पर वार करना होगा। पहला यह कि इस संगठन से जुड़े लोगों की चल–अचल संपत्ति जब्त करनी होगी। दूसरा यह कि इनके सपोर्ट सिस्टम को ध्वस्त करना होगा। और तीसरा यह कि देश भर में फैले इसके स्लीपर सेल की शिनाख्त कर उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी होगी। तभी जाकर आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती बने इस संगठन को पूरी तरह ध्वस्त करने के बारे में आश्वस्त हुआ जा सकेगा।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

मोदी जी का व्यक्तित्व और कृतित्व सभी के लिए प्रेरणादायक–सौरभ मिश्रा

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : "अपना भारत देश दुनिया की बेहतरीन शक्तियों में शामिल होने को अग्रसर है मोदी जी के व्यक्तित्व और कृतित्व को बुद्धिजीवी वर्ग सही से आकलन कर संदेश देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं हमें गर्व है कि हम ऐसे प्रधानमंत्री के कार्यकाल में भारत को ऊंचाइयों पर ले जाने के साक्षी बनेंगे,उक्त उद्गार मुख्याथित्व उद्बोधन में प्रधानमंत्री मोदी जी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे सेवा पखवारा के अंतर्गत प्रबुद्ध वर्ग संयोजक अविनाश मिश्रा द्वारा आयोजित प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन में सांसद जगदंबिका पाल ने श्रीचंद बारात घर में व्यक्त किए। अविनाश मिश्रा के संयोजकत्व में आयोजित प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन में सबसे पहले मुख्य अतिथि सांसद जगदंबिका पाल को कार्यक्रम संयोजक अविनाश मिश्रा और अजीत सिंह बब्बन द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।विशिष्ट वक्ताओं में डॉक्टर एस के सिंह सेवानिवृत्त प्रोफेसर कृषि विश्वविद्यालय कानपुर, विधान चंद्र विवेक द्विवेदी अध्यक्ष माध्यमिक शिक्षक संघ हरदोई, पूर्वा डीजीसी अविनाश चंद गुप्ता,सुधांशु मिश्र संयोजक पत्रकार एसोसिएशन का स्वागत गोपाल त्रिपाठी और सुधीर श्रीवास्तव द्वारा किया गया। संयोजक अविनाश मिश्रा द्वारा मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह और पूर्व डीजीसी अविनाश चंद गुप्ता और नगरपालिका अध्यक्ष सुख सागर मिश्रा मधुर ने प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत किया। इसके पश्चात पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन किया गया। वक्ताओं में पूर्व जिला अध्यक्ष विद्या राम वर्मा, सुभाष पांडे, अनुराग मिश्रा, पंकज तिवारी, भारत विकास परिषद के डॉक्टर सुरे अग्निहोत्री, व मानवेंद्र सिंह ने मोदी जी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि जगदंबिका पाल ने कहा हम बुद्धिजीवी वर्ग के बीच बैठे हैं बुद्धिजीविता का मूल्यांकन मात्रा में नहीं किया जा सकता बल्कि क्वालिटी पर निर्भर है। प्रबुद्ध वर्ग में सभी वर्गों के बौद्धिक क्षमता को निहित किए लोग हैं जो अधिकतर राजनीतिक विचारधारा के नहीं हैं उनका आंकलन भी समाज में को जागृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। श्री पाल ने सेवा पखवाड़ा के तहत मोदी जी के व्यक्तित्व और कृतित्व का

सारगर्भित विश्लेषण करते हुए कहा कि आज मोदी जी के नेतृत्व में देश और दुनिया में अलग ही धमक है, गुजरात मॉडल, कोरोना वैक्सीन, पीपीई किट, उज्जवला ,जनधन, अंत्योदय, आयुष्मान भारत,रक्षा ,शक्ति ,महिला सशक्तिकरण, अंतोदय के विचार से ओतप्रोत होकर जब प्रधानमंत्री लाल किले से उन 18000 अंधेरे में रहने वाले लोगों की चिंता करते हैं चूल्हे के धुएं से महिलाओं को निजात दिलाने और अपना घर युक्त बनाने का सपना देखते हैं और उसे पूरा भी करते हैं कोरोना काल में मेडिकल स्टाफ और जन कल्याण के लिए आत्मनिर्भर भारत बनाने का संदेश देकर उस ओर अग्रसर होते हैं जो देश को दुनिया की दूसरी महाशक्ति के रूप में जानी जाए, यह भी हमारे लिए गौरव की बात है। उन्होंने प्रबुद्ध वर्ग से अपील की कि इन 8 वर्षों में मोदी जी के कृतित्व पर गंभीरता से चिंतन कर समाज को नई दिशा दे कि आज का भारत मोदी युग में नए युग का भारत है इस नए युग के भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाने में आत्म निर्भर होकर आप सबके सहयोग की महती आवश्यकता है। अध्यक्षीय समापन भाषण में भाजपा जिला अध्यक्ष सौरभ मिश्र नीरज ने कहा कि श्री पाल जी ने बड़े ही सरल शब्दों के माध्यम से एक सारगर्भित आंकलन कर भाजपा कार्यकर्ताओं को एक नई विधा दी है जिसका वह प्रचार प्रसार कर सकें। मुख्य रूप से पूर्व जिला अध्यक्ष रामअवतार शुक्ला, नगर पालिका अध्यक्ष सुख सागर मिश्रा, भाजपा नेता पारुल दीक्षित, जिला मंत्री अविनाश पांडे,गोपाल त्रिपाठी, चित्रगुप्त सेवा धाम के अनुराग श्रीवास्तव, संजय कुमार अग्निहोत्री, प्रेमपाल लोहिया, भाजपा नेत्री कीर्ति सिंह, नरेंद्र सिंह अटिया, प्रदुम्न आनंद मिश्रा ,सुनील शुक्ला,जिला मंत्री नीतू चंद्रा, जिला मीडिया प्रभारी गंगेश पाठक, अवस्थी समेत भाजपा संगठन व प्रबुद्ध वर्ग के सम्मानित नागरिक उपस्थित रहे।

स्वामी रामानंद सरस्वती जी ने आचार्य आर एल पाण्डेय को किया माला पहनाकर सम्मानित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। शारदीय नवरात्र के पहले मंगलवार को इंदिरा नगर, लखनऊ स्थित श्रीसिद्धेश्वर महादेव मंदिर पार्क में आयोजित सुंदर कांड व भंडारा कार्यक्रम में अमेरिका सरकार के वरिष्ठ वैज्ञानिक व हनुमान जी के अनन्य भक्त डॉ. आर. एस. द्विवेदी (आध्यात्मिक नाम स्वामी रामानंद सरस्वती जी) ने आचार्य आर एल पाण्डेय को माला पहनाकर सम्मानित किया. कार्यक्रम का आयोजन हनुमत् कृपा ट्रस्ट व इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर स्प्रिचुअल एडवांसमेंट (आइसा) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वामी

रामानंद सरस्वती जी रहे. इस अवसर पर तमाम वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी तथा लखनऊ के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

श्री दुर्गा पूजा महासमिति जौनपुर के 44 वें नियंत्रण कक्ष का हुआ उद्घाटन

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : बुद्धवार देर शाम शहर के कोतवाली चौराहे पर श्री दुर्गा पूजा महासमिति के चौवालीसवे नियंत्रण कक्ष का उद्घाटन महासमिति की परम्परा के अनुसार मुख्यअतिथि जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा और विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय कुमार साहनी ने पूरे विधिविधान से फीता काट व पूजन अर्चन के साथ सम्पन्न हुआ । सायंकाल से ही लगभग सात सौ पूजन समिति की एकीकृत इकाई श्री दुर्गा पूजा महासमिति का शारदीय नवरात्र में दुर्गापूजा को सकुशल संपन्न कराने के लिए नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है। उद्घाटन के लिए विलम्ब से पहुंचे जिलाधिकारी व पुलीस अधीक्षक महोदय ने विधिवत पूजन अनुष्ठान के साथ सम्पन्न कराया इस अवसर पर महासमिति के संरक्षक मण्डल सदस्यों ने इंद्रभान सिंह इंदु, निखिलेश सिंह अपने विचार व्यक्त करते हुए महासमिति के महत्व को बताया साथ ही साथ संरक्षक गण सोभनाथ आर्य, विनोद जायसवाल, चंद्र प्रताप सोनी, विंध्याचल सिंह, श्रीकांत महेश्वरी, संतोष सिंह व अतुल गोपाल मिश्रा ने अपनी शुभकामना व्यक्त किया। नगर के विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने अपने विचार रखे था अलग अलग समितियों के सदस्यों ने अपनी समस्याओं को दमदारी के साथ महासमिति को अवगत कराया । कार्यक्रम के बीच में अपर मुख्य अधिकारी भू एवम राजस्व रजनीश राय ने निर्णायक मंडल के सदस्यों डॉ जान्हवी श्रीवास्तव, अल्पना जायसवाल, कैलाश यादव, योगेन्द्र प्रताप सिंह,

प्रदीप श्रीवास्तव, विवेक सिंह एवं अवनिंद्र तिवारी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई व से आयुष चौधरी नगर मजिस्ट्रेट ने सभी निर्णायक मंडल सदस्यों को नंबरिंग करने की फाइल प्रदान किए। इस अवसर पर महासमिति विशिष्ठ सदस्य महेंद्र देव विक्रम, शशांक सिंह रानू एवं सामाजिक कार्यकर्ता हबीब आलम ने अपने विचार व्यक्त किए। प्रबंधकारिणी के सदस्य मार्निंग वाकर्स क्लब के सदस्य, बोलबम से सुधीर साहू, महादेव सेना से विमल सिंह, रवि गुप्ता, सर्वेश जायसवाल, विमल गुप्ता, राधे रमण जायसवाल गुरुसिंह सभा से सरदार तेजा सिंह, मनमोहन सिंह, हिंदू भगवा वाहिनी से डा अंजना सिंह, संस्कार भारती से अमित गुप्ता आदि सामाजिक संगठन के लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनिल अस्थाना ने किया व महासचिव राहुल पाठक ने सभी का स्वागत व अभिनंदन किया। कार्यक्रम में रविंद्र सिंह ज्योति, मनोज सोनी कोमल व चिंटू सरगम ने भक्तिमय गीतों की प्रस्तुत किया। कार्यक्रम संयोजक मोतीलाल यादव, विशिष्ट सदस्य उमेश चंद श्रीवास्तव, संजय सिंह लालचंद निषाद, अतुल प्रताप सिंह मुन्ना, अरविंद बैंक, जनपद की तमाम दुर्गा पूजा समिति के पदाधिकारी गण, नगरपालिका परिषद, विद्युत विभाग , स्वास्थ विभाग , पुलिस प्रशासन , जनपद के अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन मनीष गुप्ता ने किया। कार्यक्रम की सफलता में मनीष देव डॉ विजय रघुवंशी रामप्रकाश यादव गौरव श्रीवास्तव महेश जायसवाल आनंद अग्रहरि अतुल प्रताप सिंह रवि शर्मा अमित गुप्ता आलोक वैश्य विष्णु गुप्ता आदि का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में श्रीपाल यादव, निशित सिंह, चंद्र शेखर गुप्ता, रत्नेश सिंह, विजय गुप्ता, राजन अग्रहरि, शैलेंद्र मिश्रा, सुमित उपाध्याय, संदीप जायसवाल, अमर नाथ पांडे, लालता सोनकर आदि प्रबंध कारिणी के सदस्य उपस्थित रहे।

नौ दिनों के उपवास से हमारा वजन बढ़ जाता है –डॉक्टर कल्पना सिंह

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। डॉ कल्पना सिंह नैचुरोपैथी फिजिशियन, योगा एंड ब्यूटी एक्सपर्ट ने भेंटवार्ता में बताया कि नवरात्रि उपवास का धार्मिक महत्व है, लेकिन अपने शरीर को कुछ वजन कम करने के लिए सही भोजन के साथ शुद्ध खाना खाने का एक शानदार तरीका है. हालांकि,हम अक्सर देखते हैं कि इन नौ दिनों के उपवास से हमारा वजन बढ़ जाता है. लेकिन नवरात्रि व्रत के दौरान वजन बढ़ने के कई कारण हो सकते हैं. जैसे इस दौरान हम फलों और सब्जियों या घर का बना खाना छोड़कर, बाजार में मिलने वाले व्रत के स्नैक्स या व्रत का खाना खाते हैं. इन्हीं डिब्बाबंद भोजन, चिप्स, थाली, लड्डू आदि खाने से नवरात्रि उपवास के दौरान हमारा वजन बढ़ जाता है। तो चलिए देखते हैं कि नवरात्रि के दौरान हम किस डाइट प्लान को फॉलो कर सकते हैं जिससे आपको वजन कम करने और डिटॉक्स करने में मदद मिल सकती है. नवरात्रि दिवस 1 सुबह–सुबह फल या भीगे हुए मेवे नाश्ते सेब बादाम मिल्कशेक चिया सीड्स के साथ नाश्ते के बाद नारियल पानी दोपहर का भोजन राजगिरा (ऐमारैंथ) की रोटी भुनी हुई पनीर या लौकी की सब्जी के साथ दोपहर के भोजन के बाद लस्सी (सफेद चीनी की जगह गुड़ डालें) या पुदीने की छाछ शाम एक कप चाय रात का खाना भुनी हुई पालक और एक उबला आलू नवरात्रि दिन 2 सुबह–सुबह फल या मुट्ठी भर भीगे हुए मेवे नाश्ता कुट्टू पनीर चीला दही के साथ मिड मॉर्निंग ग्रीन टी या पुदीने का पानी दोपहर का भोजन खीरा सलाद और दही के साथ बेक्ड साबूदाना टिक्की शाम एक मुट्ठी भुने हुए मखाने वाली चाय रात का खाना कद्दू और लौकी का सूप नवरात्रि दिवस 3 सुबह–सुबह फल या मुट्ठी भर भीगे हुए मेवे नींबू पानी के साथ नाश्ते सब्जियों से भरा कुट्टू डोसा (लौकी, कद्दू, आलू) दोपहर का भोजन कद्दू कटलेट फ्रूट रायते के साथ शाम पनीर और पपीते की सलाद रात का खाना सूखे मेवों के साथ दूध नवरात्रि दिवस 4 सुबह–सुबह फल या मुट्ठी भर भीगे हुए मेवे नाश्ता 5 से 6 बादाम के साथ फ्रूट शेक या स्मूदी दोपहर का भोजन पुदीने की चटनी के साथ एक प्रकार का अनाज या कुट्टू डोसा शाम चाय के साथ पके केले के चिप्स रात का खाना कद्दू और शकरकंद का सूप नवरात्रि दिन 5 सुबह–सुबह फल या मुट्ठी भर भीगे हुए मेवे नाश्ता कच्चा केला और दही की सब्जी मिड मॉर्निंग मुट्ठी भर भुना हुआ मखाना. अपनी पसंद का कोई भी फल दोपहर का भोजन उबले आलू की सब्जी के साथ सिंघाड़ा के आटे की रोटी शाम बेक्ड नमकीन के साथ ग्रीन टी रात का खाना दही के साथ बेक्ड शकरकंद कटलेट नवरात्रि दिवस 6 सुबह–सुबह फल या मुट्ठी भर भीगे हुए मेवे नाश्ता सादी खिचड़ी मिड मॉर्निंग कैमोमाइल चाय दोपहर का भोजन सब्जियों के साथ कुट्टू की रोटी (अरबी, लौकी) दही के साथ परोसी जाती है शाम साबुतदाना खीर रात का खाना पनीर भरवां चीला नवरात्रि दिवस 7 सुबह–सुबह फल या मुट्ठी भर भीगे हुए मेवे नाश्ता चाय के साथ दही आलू चाट दोपहर का भोजन चावल पुलाव (सामक चावल) ककड़ी के रायते के साथ दोपहर के भोजन के बाद जीरा छाछ शाम दही मखाना रात का खाना सब्जी का सूप नवरात्रि दिवस 8 सुबह–सुबह फल या मुट्ठी भर भीगे हुए मेवे दूध के साथ नाश्ता मखाना खिचड़ी मिड मॉर्निंग अजवायन का पानी दोपहर का भोजन सामक, पीनट राइस और रायते के साथ शाम अदरक की चाय रात का खाना लौकी या कद्दू की सब्जी के साथ कुट्टु की रोटी नवरात्रि दिवस 9 सुबह–सुबह फल या मुट्ठी भर भीगे हुए मेवे नाश्ता भुने हुए मखाने के साथ दही आलू चाट मिड मॉर्निंग ताजा संतरे का रस दोपहर का भोजन कुट्टू पनीर डोसा दही के साथ शाम फलों की सलाद रात का खाना सादा पनीर टिक्का।

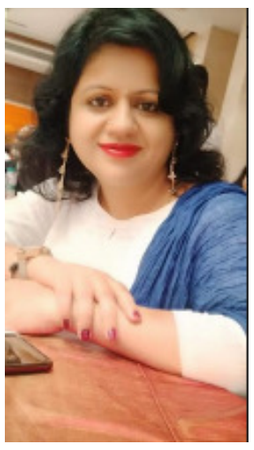

युवा किसी भी बदलाव को लाने में सक्षम है : एनसीसी अधिकारी मेजर (डॉ) मनमीत कौर सोढ़ी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर लखनऊ की 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन एनसीसी विंग द्वारा भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के अधीन एनसीसी निदेशालय नई दिल्ली के दिशा निर्देशन में 'पुनीत सागर अभियान' के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया । जिसमें पोस्टर तथा वीडियो के माध्यम से इस अभियान के बारे में जानकारी देने का एवं जनसाधारण को जोड़ने का प्रयास किया गया। अभियान में कैडेट तनु सारस्वत,प्रिया यादव, सुप्रिया गोपाल,दीपाली तिवारी, कीर्ति मिश्रा, सगलगुन कौर, जया दुबे,वर्षा यादव, रिया कश्यप, रूपा दीक्षित,रोशनी सिंह लोधी , अनन्या पाठक, स्वाति त्रिपाठी, खुशी कनौजिया, नंदिनी सिंह, वसुंधरा गंगवार, दीपांशी आदि ने सक्रिय भागीदारी की। अभियान का नेतृत्व करते हुए एनसीसी अधिकारी मेजर (डॉ) मनमीत कौर सोढ़ी ने विशेष रूप से इस बात पर बल दिया कि युवा किसी भी बदलाव को लाने में सक्षम है। इसी कारण से भारत सरकार द्वारा युवाओं अर्थात एनसीसी कैडेट्स को इस अभियान से जोड़ा गया है। इस देश के नागरिक होने के नाते हम सबकी जिम्मेदारी बनती है कि इस जन आंदोलन को सफल बनाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति अपनी भूमिका का निर्वाह

पूरी जिम्मेदारी के साथ करें तथा आस्था /धर्म के नाम पर अपने जल स्रोतों को प्रदूषित करना बंद करें, क्योंकि प्रदूषित जल जनजीवन पर दुष्प्रभाव डालता है । जिससे सभी का स्वास्थ्य प्रभावित होता है। इसलिए एक स्वस्थ और प्रगतिशील देश के लिए सभी को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। प्राचार्य प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने एनसीसी कैडेट्स के द्वारा किए जाने वाले इस कार्य की सराहना करते हुए इस बात पर बल दिया पर्यावरण की दृष्टि से भी जल को स्वच्छ रखना आवश्यक है ए इससे हमारी इपव–कपअमतेपजल भी प्रभावित होती है इसलिए सभी को इस अभियान से जुड़ना होगा क्योंकि जल ही जीवन है।

मध्यान्ह भोजन में एगमार्क मशाला तेल आदि का प्रयोग किया जाये– जिलाधिकारी

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : एम0पी0 सिंह ने आज अपने गोद लिए ब्लाक बावन के प्राथमिक विद्यालय बिस्कुला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कक्षा एक से पांच तक के क्लासों एवं आंगनबाड़ी केन्द्र में जाकर बच्चों की शैक्षिक तथा मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता आदि का जायजा लिया। निरीक्षण में कक्षा एक के बच्चे द्वारा गिनती, कक्षा दो तीन के बच्चों द्वारा अंग्रेजी अक्षर तथा आंगन बाड़ी केन्द्र के बच्चे से छोटा अ बड़ा आ सुनकर जिलाधिकारी ने प्रशन्ता व्यक्त करते हुए शिक्षकों से कहा कि बच्चे देश का भविष्य और इनका शारीरिक एवं मानसिक नींव को मजबूत होना अति आवश्यक है इसलिए बच्चों को शैक्षिक एवं व्यवहारिक ज्ञान के साथ साफ–सफाई के बारे में जागरूक करें। रसोई कक्ष के निरीक्षण में डीएम आटा, चावल, मशाला को देखा तथा प्रधान एवं प्रधानाचार्य को निर्देश दिये बच्चों अपरान्ह भोजन में एगमार्क मशाला, तेल आदि का प्रयोग किया जाये और बच्चों को पोषक एवं गुणवत्ता परक भोजन दिया जाये। जिलाधिकारी ने रसोईयों को निर्देश दिये कि बच्चों का खाना बनाते समय साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखें और स्वच्छ एवं स्वादिस्ट भोजन बच्चों के लिए बनायें। विद्यालय के एक जर्जर भवन के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिये कि उक्त भवन के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही करें और उस स्थान पर अतिरिक्त कक्ष का निर्माण करायें तथा बच्चों को तत्काल पाठ्य पुस्तकों वितरण करायें। हैण्ड

पम्प के पास बच्चों हेतु पानी की उचित व्यवस्था न होने पर जिलाधिकारी ने प्रधान से कहा एक टंकी रखवायें और प्रत्येक दिन उसकों समरपंप से भरवाकर बच्चों के लिए शुद्व पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करायें तथा बच्चों के खेलने हेतु विद्यालय परिसर को समतल करायें। निरीक्षण के दौरान ग्राम प्रधान, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी वी0पी0 सिंह, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार, खण्ड शिक्षा अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

जनपद में गैर मान्यता प्राप्त मदरसों की सर्वे हेतु 06 टीमे गठित

जौनपुर सू.वि. : जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कमलेश कुमार मौर्य ने अवगत कराया है कि शासन के निर्देश के क्रम में जनपद में गैर मान्यता प्राप्त मदरसों की सर्वे हेतु 06 टीमे गठित की गयी है, जिसमें सम्बन्धित तहसील के उपजिलाधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी टीम अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व के निर्देश में जनपद का सर्वे का कार्य कर रही है। 27 सितम्बर 2022 को तहसील मड़ियाहूँ में टीम द्वारा सर्वे का कार्य किया गया। 28 सितम्बर 2022 को टीम द्वारा तहसील शाहगंज का गैर मान्यता प्राप्त मदरसों का सर्वे किया गया सर्वे में शासन के निर्देश के क्रम में निर्धारित 12 बिन्दुओं पर स्थलीय सत्यापन किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास की गंगा बह गई – राकेश त्रिवेदी

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी द्वारा बुद्धिजीवी एवं प्रबुद्ध जन सम्मेलन का आयोजन प्रेक्षागृह कलेक्ट्रेट परिसर में बुधवार को जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह के अध्यक्षता में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला प्रभारी एव पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश त्रिवेदी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ पार्टी के पुरोधा डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पण्डित दीन दयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित और दीप प्रज्वलित कर वंदेमातरम गीत के साथ हुआ। मुख्य अतिथि जिला प्रभारी राकेश त्रिवेदी ने प्रधानमंत्री के विकास के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा की मोदी के नेतृत्व में विकास की गंगा बह गई एक तरफ सड़कों का जाल बिछा दिया गया है तो दूसरी तरफ जन कल्याणकारी योजनाओं जैसे जन धन योजना आयुष्मान कार्ड योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान आदि। मोदी जी देश के प्रत्येक राज्य पर अपनी पैनी निगाह रखते हैं, अगर वह कश्मीर की बात करते हैं तो दूसरी तरफ मेघालय की बात भी करते हैं। विशिष्ट अतिथि राज्य सभा सांसद सीमा द्विवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तराखंड के प्रसिद्ध फल बेडु का जिक्र करते हुए कहा कि इसमें नव युवकों के लिए रोजगार की असीम संभावना है। उन्होंने प्रधानमंत्री के जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा करते हुए कहा कि सबका साथ सबका विकास व सबका विश्वास के मूल मंत्र के साथ कार्य करने वाले हमारे प्रधानमंत्री दिन में 18 घंटे कार्य करते हैं वह कभी छुट्टी नहीं लेते । पूर्व विधायक सुरेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा अपने जीवन का एक एक पल राष्ट्र सेवा में समर्पित करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं बचपन से लेकर अब तक उनके

संघर्ष को हम नजर अंदाज नहीं कर सकते वह हमारे प्रेरणा के स्रोत हैं। हम उनके दीर्घायु की मंगल कामना करते हैं। उनके द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संपूर्ण व्यक्तित्व के विषय में विस्तार से चर्चा की । अध्यक्षीय सम्बोधन करते हुये जिला उपाध्यक्ष एवं प्रबुद्ध सम्मेलन के संयोजक सुधाकर उपाध्याय ने कहा कि मोदी जी कोई साधारण नहीं बल्कि असाधारण व्यक्तित्व के व्यक्ति है वह बुद्धिमान सजग जागरूक एवं सकारात्मक सोच रखने वाले व्यक्ति हैं आज उनके नेतृत्व में भारत ने देश ही नहीं विदेशों में भी अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उनके द्वारा हमारे योग को पूरे विश्व में प्रसिद्धि दिलाई है। आज उनके नेतृत्व में चाइना रूस अमेरिका जैसे देश दोस्ती का हाथ बढ़ा रहे हैं । इसके अतिरिक्त पूर्व जिला अध्यक्ष सुशील उपाध्याय ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री सुशील मिश्र ने की। इस अवसर पर उक्त अवसर पर जिला महामंत्री पीयूष गुप्ता, अमित श्रीवास्तव, सुनील तिवारी, जिला उपाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंघानिया, सन्तोष सिंह, जिला मंत्री रविन्द्र सिंह राजू दादा, अभय राय, उमाशंकर सिंह, विपिन द्विवेदी, ओमप्रकाश सिंह, आमोद सिंह, रोहन सिंह, नरेन्द्र उपाध्याय, अनिल गुप्ता, आदि उपस्थित रहें।

संचारी रोग के रोकथाम हेतु बैठक कर किया गया प्रशिक्षित

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : नगर पंचायत रामपुर में बुधवार को विकास खंड सभागार रामपुर में बाल विकास परियोजना द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, मुख्य सेविकाओं एवं आशाओं को संचारी रोग अभियान ,दस्तक अभियान के बारे में बैठक कर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के तहत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं आशाओं को बताया गया कि दिनांक 7 अक्टूबर 2022 से 21 अक्टूबर 2022 तक दस्तक अभियान के तहत डोर टू डोर जाकर प्रत्येक परिवार से जनसंपर्क कर परिवार में बीमार महिला, पुरुष एवं बच्चों जिसको भी खांसी, जुखाम, सर्दी , बुखार आदि का लक्षण दिखाई दें तुरंत स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क करें। तथा इससे बचाव के बारे मे बताएं। साफ सफाई ,मच्छर से बचने आदि के संबंध में प्रशिक्षित किया गया है। इसके साथ ही संचारी रोग अभियान के तहत दिनांक 1 अक्टूबर 2022 से 30 अक्टूबर 2022 जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को संचारी रोग से बचाव के बारे में बताया जाय। जिसमें क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति आदि को सम्मिलित करें । इसके साथ ही विभागीय योजनाओं के तहत लाभार्थियों का आधार वेरीफाई ,जीरो से 5 वर्ष के बच्चों का वजन और लंबाई समुदाय आधारित गतिविधियां, टीकाकरण आदि को पोषण ट्रैकर पर फीड करें एवं 3 से 6 वर्ष के बच्चों को साला पूर्व शिक्षा के संबंध में जानकारी दी गई । कार्यक्रम में चिकित्सा अधिकारी रामपुर डा. प्रभात कुमार यादव, बाल विकास परियोजना अधिकारी रामपुर भैयालाल , श्रीमती अनीता देवी, श्रीमती बसंती देवी, गायत्री देवी और चिंता देवी तथा क्षेत्र की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और आशाएं उपस्थित रही।

जमानत दार न मिलने पर संदिग्ध पीएफआई सदस्य गये जेल : संदिग्ध पीएफआई सदस्यों को न्यायालय में किया गया पेश

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : देशभर में चल रहे पीएफआई संगठन के संदिग्ध लोगों की धरपकड़ के क्रम में सोमवार की देर रात करीब 2 बजे नगर के नजीराबाद व सरपतहां थाना क्षेत्र के उसरौली गांव से दो संदिग्धों को पुलिस ने हिरासत में लेकर कोतवाली ले आई। जहां पर पूछताछ के बाद उनको उप जिला अधिकारी न्यायालय में पेश किया गया। जमानत नहीं मिल पाने पर दोनों को जिला कारागार भेज दिया गया। पीएफआई संगठन को लेकर देशभर में लगातार छापेमारी की जा रही है। खुफिया सूत्रों से शाहगंज क्षेत्र में भी पीएफआई के संपर्क होने की जानकारी मिलने पर पुलिस की संयुक्त टीम ने सरपतहां थाना क्षेत्र के उसरौली गांव निवासी मौलाना अब्बू होजैफा पुत्र अकील घर पहुंच कर छापेमारी की वह नहीं मिला उसके पिता अकील वह परिवार के अन्य सदस्य से पुलिस ने होजैफा के बारे में जानकारी इकट्ठा करते हुए घर की तलाशी ली। होजैफा के पिता अकील ने शाहगंज नगर के मिल्लत नगर मोहल्ले में किराए के मकान में रहता है। पुलिस ने उक्त स्थान पर पहुंच कर होजैफा को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने बताया कि वह नजिराबाद कालोनी में मदरसा महदुल कुरान वल उदमिल अर्सिया में एक वर्ष से पढाता है। वह तीन भाई व चार बहन है। वही पत्नी शबनम दो बच्चों साढे तीन वर्ष की आशफा व डेढ वर्ष की मो उमैर के साथ रहता है। फिलहाल धर पकड के बाद घर में ताला लटका हुआ है। पीएफआई से संपर्क के बारे में उसने इंकार करते हुए किसी भी प्रकार की जानकारी न होने की बात कही। इसी तरह क्षेत्र के सहावें गांव में पुलिस ने साजिद की तलाश में छापेमारी की जहां पर साजिद मौके पर मिला उसको हिरासत में लेकर पुलिस कोतवाली लाई। पीएफआई के संपर्कों से इनकार करते हुए किसी तरह की गतिविधि में सम्मिलित होने से इनकार किया। पुलिस ने इन दोनों से जुड़े अन्य लोगों से भी पूछताछ करके इनके गतिविधियों के बारे में जानकारी इकट्ठा की गहन छानबीन व जानकारी इकट्ठा करने के बाद पुलिस ने दोनों को बुधवार को उप जिला अधिकारी शाहगंज के न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय से जमानत न मिल पाने की वजह से दोनों को जिला जेल भेज दिया गया।

डीएम सीएमओ व डीआईओ ने मुफ्त टीके का फायदा उठाने की अपील

जौनपुर सू.वि. : शासन के निर्देश के क्रम में 29 सितंबर (गुरुवार) को 18 वर्ष तथा 18 वर्ष से अधिक उम्र के सभी लाभार्थियों को निःशुल्क प्रीकाशन डोज का महाभियान चलाया जाएगा। गुरुवार को जिला महिला अस्पताल, जिला पुरुष अस्पताल, राजकीय लीलावती महिला चिकित्सालय, अर्बन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कटघरा के साथ ही सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी), प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) तथा ग्रामीण स्तर पर भी टीकाकरण टीमों के माध्यम से वृहद स्तर पर टीकाकरण किया जाएगा। प्रीकाशन डोज के मुफ्त टीकाकरण की यह सुविधा 30 सितंबर को समाप्त हो जाएगी। इसके बाद किसी को भी प्रीकाशन डोज लगवाने के लिए निजी टीकाकरण केंद्र पर भुगतान देकर ही प्रीकाशन डोज लगवाने की सुविधा मिल पाएगी। जनपद में अब तक 10.80 लाख लोगों ने प्रीकाशन डोज लगवा लिया है। बावजूद इसके अभी भी बहुत से लोगों को प्रीकाशन डोज लगना बाकी है। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) डॉ लक्ष्मी सिंह, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी (डीआईओ) डॉ नरेन्द्र सिंह ने जनपदवासियों से मुफ्त टीके की डोज के अंतिम मौके का फायदा उठाते हुए गुरुवार को प्रीकाशन डोज अवश्य लगवा लेने की अपील की है। जनपद में टीकाकरण की स्थितिः डीआईओ ने बताया कि अभी तक जनपद में कुल 91.47 लाख से ज्यादा टीके की डोज लगाई जा चुकी है, जिसमें से से ज्यादा को पहली डोज, 41,13,800 से ज्यादा को दूसरी डोज तथा 39,54,400 से ज्यादा लोगों को प्रीकाशनरी डोज लगाई जा चुकी है। 18 वर्ष अधिक उम्र के 35,97,900 लोगों को प्रथम डोज तथा 34,76,890 से अधिक लोगों को दूसरी डोज लगाई जा चुकी है। 15 से 18 वर्ष में लोगों में 3,18,653 प्रथम डोज तथा 3,01,030 लोगों को दूसरी डोज लगाई जा चुकी है। 12 से 14 वर्ष 97,206 लोगों को प्रथम डोज तथा 1,76,400 लोगों को दूसरी डोज लगाई जा चुकी है।

डेंगू: 83 की जांच में 8 मिले पाजिटिव

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : क्षेत्र में डेंगू का संक्रमण का कहर जारी है। बुधवार को सीएचसी में 83 बुखार पीड़ितों ने जांच कराई। जिसमें 8 लोग डेंगू पाजिटिव पाये गये। अब कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 408 हो गई है। चिकित्साधीक्षक डा. संजय कुमार दूबे ने बताया कि बरौली के गंगा प्रसाद, बदलापुर की साधना, सरोखनपुर की साधना, रुपचंद्रपुर के नवीन, तियरा के प्रदीप सिंह, भलुआहीं की आरती, ऊदपुर गेल्हवा के सुमिरन, सुल्तानपुर के विपिन की रिपोर्ट डेंगू पॉजिटिव आयी है।

स्वस्थ शरीर से ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास : प्रो.निर्मला एस.मौर्य

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित डॉक्टर सी वी रमन हॉस्टल और चरक हॉस्टल में बुधवार को कुलपति प्रो. निर्मला एस.मौर्य के कर कमलों द्वारा जिम का

उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. मौर्य ने कहा कि स्वस्थ शरीर से ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है। जिम के माध्यम से युवाओं को व्यायाम करने और अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि संतुलित शरीर के लिए जिम की उपयोगिता वर्तमान समय में काफी बढ़ गई है। छात्रावास में क्रॉस ओवर जोकि चेस्ट के मध्य तक की एक्सरसाइज कराता है। मस्कुलर मेकर पूरे बॉडी के मसल को ठीक करता है। इसी तरह पेक– डेक फ्लाई समेत दर्जनों उपकरण जिम में लाए गए हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित भी किया। इस अवसर कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी संजय कुमार राय, प्रो बी बी तिवारी, प्रो राम नारायण, प्रो मानस पाण्डेय, प्रो राजेश शर्मा, प्रो ए के श्रीवास्तव, डॉ मनोज मिश्र, डॉ सुनील कुमार, डॉ अमरेन्द्र सिंह, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, कुलसचिव दीपक सिंह, अजीत सिंह, बबिता, डॉ प्रवीण सिंह, डॉ धर्मेन्द्र सिंह समेत शिक्षक उपस्थित थे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियो को संचारी रोग से बचाव हेतु दिया गया प्रशिक्षण

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : सीएचसी के सभागार में बुधवार को बाल विकास परियोजना की 276 आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डा. संजय कुमार दुबे व मयंक चौरसिया ने एक अक्टूबर से 31अक्टूबर तक चलने वाले कार्यक्रम के संबंध में विस्तार से बताया। उन्होंने लोगों को साफ,सफाई,झाड़ी की कटाई,पानी कहीं एकत्रित न होने पाये सहित अन्य विषयों पर जागरूक किया। डा. दुबे ने कहा कि ग्राम प्रधान, स्वास्थ्यकर्मी, आगनबाड़ी कार्यकत्री टीम बनाकर संचारी कार्यक्रम को सफल बनाएं। बाल विकास परियोजना अधिकारी सुनीता रावत ने आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों से कहा कि अभियान को सफल बनाने के लिए घर घर जाकर संचारी रोग के बारे में बताएं। इस अवसर पर मुख्य सेविका शशिबाला, मीरा देवी,ऊषा देवी,प्रेमा सिंह,शकुंतला, नीलम सहित आदि उपस्थित रहे।

नौ माह बाद दोबारा पोस्टमार्टम हेतु खोदी गई कब्र : निकाला गया शव

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : सरपतहां थाना क्षेत्र के भिवरहा कला निवासी राजेश गौतम पुत्र जोखन की काशियापुर गांव के कुएं में बरामद शव के पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर सवालिया निशान उठाने के बाद बुधवार को दोबारा पोस्टमार्टम कराने के लिए नव माह बाद खुदाई कर शव को कब्र से बाहर निकाला गया।इस दौरान नामित मजिस्ट्रेट और भारी मात्रा में पुलिस के लोग मौजूद रहे।मामले में मृतक के भाई ने मा.राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग से लेकर पुलिस के आला अधिकारियों तक पोस्टमार्टम रिपोर्ट को लेकर चिकित्सक और पंचायत नामा भरने वाले अधिकारी पर आरोप लगाते हुए गुहार लगा रखा था।उसी क्रम में बुधवार को नामित मजिस्ट्रेट एसडीएम न्यायिक केराकत कुनाल गौरव और क्षेत्राधिकारी शाहगंज अंकित कुमार की निगरानी में दोबारा पोस्टमार्टम हेतु जमीन से खुदाई कर मृतक का अवशेष निकाला गया।जिसे लेकर क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म है। उक्त मृतक का शव बीते चार जनवरी मंगलवार की रात क्षेत्र के कसियापुर गाँव स्थित एक कुएं में पायी गयी थी।शव मिलने के समय से सप्ताह भर पूर्व घर से लापता था।जिसमें तत्कालीन थाना प्रभारी रविन्द्र भूषण मौर्या द्वारा29दिसम्बर को गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर खोजबीन की जा रही थी।इसी बीच उसका शव उक्त कुएं से मिला था।जिसमें परिजनों द्वारा हत्या की आशंका जतायी गयी थी।दबी जुबान क्षेत्र में मामला प्रेम प्रसंग से जुड़े होने की चर्चा जोरो पर थी।उक्त मामले के संदर्भ में क्षेत्राधिकारी शाहगंज अंकित कुमार ने बताया कि भाई की आपत्ति के बाद दोबारा पोस्टमार्टम हेतु अवशेषों को जिला मुख्यालय भेजा गया है।रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई होगी।इस दौरान थानाध्यक्ष संजय सिंह समेत भारी मात्रा में पुलिस के लोग मौजूद रहे।

91साल पुरानी है सरायहरखु की रामलीला

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : बक्सा क्षेत्र के श्री सीताराम धर्म मंडल सरायहरखु की रामलीला 1अक्टूबर से शुरू होगी।1932में जयन्ती प्रसाद,प्रेमनाथ, प्रकाश नाथ कायस्थ बंधुओं ने इस रामलीला मंचन की शुरुआत खेल खेल में शुरू कर दी थी इन बंधुओं ने कागज व लकड़ी के मुकुट व तलवार गदा बना डाले थे।आज जिसमें देश कोने कोने में भी रहने वाले शिक्षक, चिकित्सक, न्यायियक सेवा में आसीन पदों के लोग गाँव मे आकर भाग लेंगे यह जानकारी अध्यक्ष कृष्ण कुमार सिन्हा व मंत्री जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने दी उन्होंने बताया कि पिछले कुछ वर्ष कोरोना व लाकडाउन के चलते रामलीला अच्छे से सम्पन्न नहीं हो पाया था इस बार रामलीला का मंचन होगा बाहर रहने वाले सारे कलाकार आने शुरू हो गए हैं इस रामलीला के सारे पात्र कायस्थ समाज के होते हैं।इसमे प्रमुख पात्र में राम के रोल में वैभव सिन्हा,सीता के रोल अनुपम श्रीवास्तव,व लक्ष्मण का चित्रांश श्रीवास्तव, हनुमान का अनुराग श्रीवास्तव, जनक का पवन श्रीवास्तव, रावण का सिद्धार्थ श्रीवास्तव, मेघनाद का अवनीश श्रीवास्तव, शबरी का बबलू श्रीवास्तव, केवट का सतीश चंद्र श्रीवास्तव, दशरथ का विनोद श्रीवास्तव कुम्भकर्ण का पुनीत श्रीवास्तव बखूबी रोल कर मनमोहक रामलीला का मंचन करते हैं।

परिवार से नाराज युवक ने ट्रेन से कटकर दी जान

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : बक्शा थाना क्षेत्र के उटरुकला गांव रेलवे अंडर पास के पास गुरुवार की सुबह 22 वर्षीय युवक ने ट्रेन से कटकर जान दे दी। गेटमैन की सूचना पर मौके पर पहुँची पुलिस के आने से पहले परिजन शव लेकर घर चले गए। थाना क्षेत्र के गढ़ाबघराराय गांव निवासी वंशराज बिंद का युवा पुत्र शमशेर बिंद घर परिजनों से किसी बात से नाराज होकर अपनी बाइक लेकर घर से निकल गया। शमशेर उटरुकला रेलवे अंडर पास पहुँच अपनी बाइक खड़ी कर रेलवे लाइन पटरी पर चला गया जहां कुछ ही देर में आ रही ट्रेन के सामने कूदकर जान दे दी। परिजनों के अनुसार युवक की अभी बीते जुलाई माह में प्रेम विवाह हुआ था। परिजनों की किसी बात से नाराज युवक ट्रेन के सामने कूदकर जान दे दिया। सूचना मिलते ही पहुँचे परिजन चीख–पुकार के बीच शव लेकर घर चले गए।

देवी देवताओं का अपमान बर्दाश्त नही किया जाएगा –संजय श्रीवास्तव

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : लगातार हिंदू देवी देवताओं पर लगातार अनर्गल टिप्पणी व फिल्म थैंक गॉड में भगवान चित्रगुप्त पर किए गए अभद्र चित्रण को लेकर देहरादून में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के आह्वान पर कई सामाजिक और धार्मिक संगठनों ने धरना और प्रदर्शन किया । इस दौरान एबीकेएम के प्रदेश अध्यक्ष और अपना परिवार के संयोजक संजय श्रीवास्तव ने कहा कि सनातन धर्म पर लगातार प्रहार बर्दाश्त नही किया जाएगा । उन्होंने कहाँ की जिस तरह फिल्म थैंक गॉड के ट्रेलर में जिस तरह से भगवान श्री चित्रगुप्त जी के ऊपर फिल्मांकन किया गया है वह बर्दाश्त गलत है इसपर तत्काल रोक लगनी चाहिए नही तो लड़ाई सड़कों से होते हुए उन थिएटर तक जाएगी जहाँ जहाँ फिल्म का प्रसारण किया जाएगा । अपने सम्बोधन में अपना परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष पुरुषोत्तम भट्ट ने कहाँ ये इसे सांकेतिक विरोध न समझा जाय ये आगाज है इसका अंजाम बहुत बड़ा होगा । पृथ्वीनाथ मंदिर समिति के संजय गर्ग ने अपने सम्बोधन में कहाँ की कोई विषय कभी कभी आए तो हो सकता है वह गलती से हो गया हो लेकिन लगातार जिस तरह से हिंदू देवी देवताओं पर टिप्पणी हो रही है वह एक साजिश का हिस्सा है जो बर्दाश्त नही किया जाएगा उन्होंने कहाँ इन सब के साथ हिंदू देवी देवताओं के तस्वीर को कही भी किसी सामग्री पर लगाया जाना भी बन्द हो नही तो उस सामग्री के विरोध के साथ उस पर कानूनी कार्यवाही भी की जाएगी । श्री नरसिंह कृपा धाम के कर्ताधर्ता आचार्य शशिकांत दुबे ने इसे हिंदू धर्म पर प्रहार बताया । कार्यक्रम को हिंदू युवा वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद बांधवा ने चेतावनी देते हुए कहाँ की अगर समय से नही चेते तो यह फिल्म सिनेमा घरों में रिलीज नही होने दिया जाएगा । एबीकेएम के उपाध्यक्ष रवि सरन ने कार्यक्रम का

संचालन करते हुए कहा इस लड़ाई को मुकघम तक पहुँचाया जाएगा । प्रसिध्य शिक्षाविंद राकेश काला ने इस लड़ाई को सड़क के साथ साथ कोर्ट तक ले जाने की बात कही । एबीकेएम के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विवेक मोहन श्रीवास्तव ने सबका धन्यवाद ज्ञापित किया ।महिला अध्यक्ष अनिता सक्सेना ने कहाँ इस फिल्मांकन से पूरा सनातन धर्म आहत है उन्होंने बताया पिछले दिनो एक फिल्म थैंक गॉड का प्रोमो रिलीज हुआ है जिसमें भगवान श्री चित्रगुप्त जी पर अनर्गल टिप्पणी व अभद्र चित्रण किया गया है जो की बर्दाश्त के बाहर है । देहरादून स्थित गांधी पार्क के सामने कई संस्थाओ द्वारा सामूहिक रूप से सांकेतिक धरना और प्रदर्शन किया गया । आइएफडब्लूजे के प्रदेश महासचिव संगठन व एबीकेएम के मीडिया प्रभारी ने कहाँ की अगर फिल्म में परिवर्तन नही किया गया तो सरकार को जगाने के लिए सड़कों पर सरे संगठन उतरेंगे ।आयोजित विरोध प्रदर्शन में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा, श्री पृथ्वीनाथ मंदिर समिति, श्री नरसिंह कृपा धाम, हिन्दू युवा वाहिनी, हिंदू रक्षा सेना, पृथ्वी राज जनशक्ति पार्टी आदि के पदाधिकारी मौजूद रहे। प्रदर्शन में सर्वेश माथुर, विवेक मोहन श्रीवास्तव, हितेन्द्र सक्सेना, अनिता सक्सेना, सोनी सक्सेना, अंजु श्रीवास्तव, बिल्लु जी , विनीत नागपाल , जीतेन्द्र श्रीवास्तव, पुरुषोत्त भट्ट, राजेश काला, दिनेश शर्मा, गोविंद वाधवा, गौरव त्रिपाठी, नीलम त्यागी, विश्वम्भर नाथ बजाज, मीनू ढ़ीडन आदि प्रमुख लोग उपस्थित थे।

शारदीय नवरात्रि में दक्षिणा काली मंदिर में उमड़ रही है दर्शनार्थियों की भारी भीड़ : आस्था का केन्द्र माँ दक्षिणा काली मंदिर

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : शहर के दक्षिणी छोर पर सिटी स्टेशन रेलवे क्रासिंग के पास फ्लाईओवर ब्रिज के नीचे बगल में स्थापित मंदिर में श्री मां आद्याशक्ति दक्षिणा काली की विशाल प्रतिमा अत्यन्त मनोहारी है। पूर्वांचल में ऐसे आकर्षक भव्य कालिका धाम मंदिर की महिमा अत्यन्त निराली है। यहां पर नित्य भक्तों द्वारा माँ का दर्शन पूजन एवं श्रद्धा समर्पण से तत्काल मनोकामना पूर्ति में सहायक होता है। नवरात्रि में मां काली का दर्शन करने के लिए दूर–दराज क्षेत्रों से काफी संख्या में लोग यहां पर आ रहे हैं। भोर में ही मंदिर का कपाट पूजन अर्चन के बाद भक्तों के लिए खुल जाता है। यहां पर नवरात्रि के पहले दिन से ही मां भक्तों की भारी भीड़ पहुंच रही है। श्रद्धालु नारियल, चुनरी व अड़हुल की माला अर्पित कर हाजिरी लगा रहे हैं। इस मंदिर की स्थापना सन् 1984 में हुयी है। जौनपुर शहर में यह मंदिर कलकत्ता वाली काली के नाम से जाना जाता है। मंदिर के संस्थापक व पुजारी भागवती सिंह 'वागीश' ने बताया कि यह स्थलीय काली जी की सनातनी सिद्धपीठ है। जो भक्तों के भाग्य का नवसृजन कर देती हैं। ज्ञान, भक्त, बैराग्य का संवर्द्धन कर शान्ति, भक्ति, आनन्द समृद्धि एवं अपार करुणा का विस्तार कर देती है। कलयुग में काली जी की कृपा आपार है। जो व्यक्ति सच्चे दिल से मां का नाम का प्रतिपल स्मरण करता है, उसके

भाग्य का कपाट खुल जाता है। मां की कृपा जब भक्तों पर हो जाती है तो असंभव भी संभव हो जाता है। इस बार शारदीय नवरात्रि में 2 अक्टूबर रविवार को कालरात्रि का दिन है। इस दिन सप्तमी है। यह दिन मां काली का सर्वशक्ति एवं सौभाग्य प्रदायक है। इस दिन मां का दर्शन, पूजन–अर्चन, स्मरण जीवन को ज्योर्तिमय तथा मंगलमय कर देता है। कलयुग में काली जी की दर्शान पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती है। नवरात्रि में दर्शनार्थियों की भीड़ को देखते हुए सर्वेश सिंह सोनू, दलसिंगार विश्वकर्मा, रामपाल विश्वकर्मा, प्रधानाचार्य एसपी सिंह जाम, वेद प्रकाश सिंह एडवोकेट, देवेन्द्र सिंह,विक्रम गुप्ता, अमित निगम,दीपक श्रीवास्तव संतोष चतुर्वेदी,विपिन सिंह,भानु मौर्या,पीयूष श्रीवास्तव, व वंदेश सिंह व्यवस्था में लगे

पीएफआई पर बैनः आसानी से उपलब्ध सामग्री से आईईडी कैसे बनाएं : मोहम्मद नदीम के पास मिली किताब

लखनऊ ब्यूरो : केंद्र सरकार ने कट्टर इस्लामिक संगठन पिपुल्स फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) और उसकी आठ सहयोगी संस्थाओं पर पांच साल के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। गृह मंत्रालय की अधिसूचना के मुताबिक, पीएफआई के तार आईएस जैसे वैश्विक आतंकी संगठन से जुड़े हैं। उसकी राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के कई साक्ष्य मिले हैं। लिहाजा गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत ये कार्रवाई की गई है। उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और गुजरात सरकारों ने गृह मंत्रालय से पीएफआई पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी। खतरनाक मंसूबे राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने दावा किया है कि उसे पीएफआई नेताओं के पास से मिशन 2047 से जुड़ी एक सीडी और बम बनाने का फॉर्मूला मिला है। गजवा ए हिंद का प्लान भी मिला है। इसमें भारत को इस्लामी राष्ट्र बनाने संबंधी सामग्री है। उत्तर प्रदेश बना गढ़ : बाराबंकी–खादरा में आईईडी बनाने के संक्षिप्त कोर्स मिले एजेंसी के मुताबाकि, बाराबंकी के पीएफआई नेता मोहम्मद नदीम के पास मिली किताब का शीर्षक है–आसानी से उपलब्ध सामग्री से आईईडी कैसे बनाएं। यह एक तरह से बम बनाने का संक्षिप्त कोर्स है। ऐसी ही पुस्तक खादरा के नेता अहमद बेग के पास भी मिली है। एक पीएफआई नेता से पेन ड्राइव मिली है, जिसमें आईएस गजवा ए हिंद के वीडियो पाए गए हैं। पीएफआई पर प्रतिबंध की मांग करने वाला पहला राज्य था यूपी वर्ष 2019 के दिसंबर महीने में सीएए–एनआरसी के खिलाफ लखनऊ समेत प्रदेश के कई शहरों में हिंसक प्रदर्शन हुए। पुलिस की पड़ताल में कई जिलों में पापुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के सदस्यों की संलिप्तता सामने आई। इसके बाद पुलिस ने पीएफआई के खिलाफ प्रदेशव्यापी अभियान छेड़ दिया। पीएफआई की गतिविधियों को देखते हुए यूपी के तत्कालीन डीजीपी ओम प्रकाश सिंह ने एक प्रस्ताव तैयार कराया, जो पीएफआई व उससे जुड़ी तमाम संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाने का था। शासन ने यह प्रस्ताव केंद्र को भेज दिया था। यूपी के बाद कर्नाटक व गुजरात सरकार ने भी पीएफआई पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश केंद्र को भेजी। इसके बाद अब केंद्र सरकार ने पीएफआई पर प्रतिबंध लगा दिया है। यूपी में पीएफआई की सक्रियता वर्ष 2010 से समय–समय पर सामने आती रहीं लेकिन सीएए–एनआरसी प्रदर्शन के दौरान पहली बार इस संगठन का हिंसक रूप सामने आया था। इसके बाद सितंबर 2020 में हाथरस में एक युवती की दुष्कर्म के बाद हत्या की घटना के बाद जिले में कानून–व्यवस्था की चुनौती खड़ी हो गई थी। इसी मामले में गिरफ्तार पीएफआई से जुड़ा एक पत्रकार सिद्दीक कप्पन और उसका साथी रऊफ लखनऊ जेल में बंद है। हाथरस कांड में पीएफआई की भूमिका की पड़ताल एसटीएफ को अहम जानकारी हाथ लगी। इसके बाद 16 फरवरी 2021 को बसंत पंचमी से ठीक पहले प्रदेश को सीरियल ब्लास्ट के जरिए दहलाने की योजना बना रहे पीएफआई के दो सदस्यों को यूपी एसटीएफ ने लखनऊ के गुडंबा क्षेत्र से गिरफ्तार कर उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया था। लखनऊ से गिरफ्तार केरल निवासी अशद बदरुद्दीन और फिरोज खान ने प्रदेश के प्रमुख स्थानों पर धमाके की सिफारिश रची थी।

जिले के बीकापुर क्षेत्र में रामायण कालीन मान्यता का पौराणिक स्थल राम कुंड हो रहा बदहाली का शिकार

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) इस समय जहां एक ओर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रभु श्री राम की जन्म भूमि अयोध्या के चहुंमुखी विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। यहां पर भगवान श्री राम जी का विशाल मंदिर निर्माण, अयोध्या की रामलीला,सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर चौराहा, दीपोत्सव सहित जिले के ऐसे सभी मंदिरों व स्थानों पर बने मंदिरों का निर्माण कार्य किया जा रहा है।वही इसके विपरीत अयोध्या – प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित बीकापुर क्षेत्रध के तोरो माफी में स्थित रामायण कालीन मान्यता का पौराणिक स्थल रामकुंड को करीब एक दशक पूर्व आदर्श जलाशय रूप के रूप में चयनित किया गया था,अब इसी जलाशय को अमृत सरोवर के रूप में चयन कर लिया गया है।राज्य अमृत सरोवर योजना अंतर्गत मनरेगा से रामकुंड सरोवर का 26 लाख रुपए की लागत से कायाकल्प कराया जा रहा है। वही तालाब के पूर्व में खुदाई कराई गई थी जिसके चलते तालाब काफी गहरा लेकिन तालाब का पूरा क्षेत्रफल जंगली झाड़ियों और खरपतवार से ढका हुआ है। जिसके चलते वह पूरी तरह सूखा पड़ा हुआ है।सूत्र के मुताबिक बीकापुर जाना बाजार मार्ग के किनारे तोरो माफी में स्थित रामकुंड जलाशय से लोगों की धार्मिक आस्था जुड़ी हुई है। सूत्र के मुताबिक अयोध्या की प्रसिद्ध 84 कोसी परिक्रमा क्षेत्र में शामिल है। वही राम कुंड के समीप स्थित सीता कुंड 84 कोसी परिक्रमा का सातवा पड़ाव स्थल भी है। 84 कोसी परिक्रमा में शामिल साधु संत सीता कुंड के अलावा यहां स्थित रामकुंड की भी परिक्रमा करते हैं। करीब एक दशक पूर्व रामकुंड सरोवर का आदर्श जलाशय के रूप

में चयन करके सौंदर्यीकरण कराया गया था। लेकिन कुछ ही समय बाद सरोवर बदहाल हो गया। सरोवर के चारों तरफ बनाई गई बाउंड्री वाल और गेट घटिया निर्माण के चलते क्षतिग्रस्त हो गया है। चहरदीवारी के लिए लगाई गई ईट उठाकर चोर उठा ले गए। ग्राम पंचायत तोरो माफी में रामायण कालीन मान्यता के सीता कुंड, राम कुंड सहित करीब आधा दर्जन कुंड स्थित है। सभी प्राचीन धार्मिक कुंड 84 कोसी परिक्रमा परिक्षेत्र में शामिल है। जिस पर प्राचीन माइलस्टोन लगा हुआ है।कई कुंड बदहाल और अतिक्रमण की चपेट में भी हैं। इस संबंध मे प्रधान प्रतिनिधि अहमद रजा ने बताया कि चयनित अमृत सरोवर रामकुंड पर अभी साफ सफाई कराई जा रही है। तोरो माफी निवासी सुरेश चंद्र पांडेय, पंडित बिंदेश्वरी प्रसाद पांडेय, नंगा पांडेय, मोतीराम निषाद, राज कपूर गुप्ता सहित स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि अमृत सरोवर के रूप में चयनित रामकुंड का इमानदारी से पूरे बजट के अनुसार सौंदर्यीकरण किया जाना चाहिए। इसके अलावा यहां स्थित अन्य प्राचीन पौराणिक कुडों का भी सौंदर्यकरण किया जाना चाहिए जो प्राचीन धार्मिक धरोहर हैं। लोगों में मान्यता है कि त्रेता युग में 14 वर्ष के वनवास से वापस आने के बाद मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम ने यहां की यात्रा करके यज्ञ और हवन पूजन किया था। श्री राम सांस्कृतिक शोध संस्थान द्वारा भी धार्मिक कुंड पर राम चरण चिन्ह की स्थापना कराई गई है।

चार वर्ष पूर्व बैनामा होने के बावजूद भी अभी तक पीड़िता को नहीं मिला कब्जा

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) अयोध्या मंडल अयोध्या के जनपद बाराबंकी में एक गरीब पीड़िता महिला भूमाफिया का शिकार इस तरह से हो गई है,कि इस मामले में जहां एक ओर पीड़िता के आरोप के मुताबिक उसकी सास की मौत हो गई वहीं अब पीड़िता महिला भी गंभीर बीमारी का शिकार हो गयी है। जिनका इलाज लखनऊ शहर में चल रहा है।पीड़िता महिला श्रीमती अनंत श्रीवास्तव पत्नी रवीन्द्र कुमार श्रीवास्तव निवासी 268/275 ख रामनगर ऐशबाग राजेन्द्र नगर लखनऊ के मुताबिक उन्होंने विक्रेता सुकेश राजन पुत्र श्री नरेश कुमार निवासी मानोदय नगर इंदिरा नगर कालोनी से एक प्लाट 1250 वर्ग फुट लागत रुपये तीन लाख मे 13 मार्च 2018 को बैनामा के जरिए खरीदी थी।पीड़िता श्रीमती अनंत श्रीवास्तव के मुताबिक अभी तक हमें उस प्लाट का कब्जा नहीं मिला है। पीड़िता महिला श्रीमती अनंत श्रीवास्तव के मुताबिक उसने विक्रेता द्वारा दिए गए मोबाइल फोन नंबर पर की बार बात करना चाहा तो मोबाइल बंद रहता है।वही जब पीड़िता महिला श्रीमती अनंत श्रीवास्तव विक्रेता द्वारा बताए गए आफिस में जाती है तो ताला बंद रहता है। जिसके चलते अभी तक चार वर्ष होने होने के बावजूद अभी तक पीड़िता महिला श्रीमती अनंत श्रीवास्तव को उक्त प्लाट पर कब्जा नहीं मिल सका है। इस संबंध में पीड़िता महिला ने तहसील, जिलाधिकारी व मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी शिकायत व प्रार्थना पत्र दिया परन्तु उस पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है।यहां तक कि पीड़िता महिला श्रीमती अनंत श्रीवास्तव के मुताबिक इस प्लाट को खरीदने में उनकी सास का पैसा लगा। एक ओर जहां पैसा नही मिला और न ही प्लाट मिला तो उन्हें सदमा लग गया जिसके चलते उनकी मृत्यु हो गई।अब वही दशा भुक्तभोगी पीड़िता महिला श्रीमती अनंत श्रीवास्तव की होने जा रही है।वह तहसील, कोतवाली व अन्य राजस्व विभाग में चक्कर लगाते लगाते थक गई है परंतु उसे कही पर सफलता नहीं दिखाई दे रही है। इस समस्या को पीड़िता ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर दर्ज भी कराया गया। परंतु इसमें जो जांच की वह सही नहीं लग रही है। पीड़िता महिला श्रीमती अनंत श्रीवास्तव के मुताबिक ऐसा प्रतीत होता है कि इस मामले में कोई भी कर्मी वहां तक गया ही नहीं था। बल्कि जो जांच लिखी गई है उससे पीड़िता संतुष्ट नहीं हैं।जब अगर देखा जाए तो पीड़िता महिला श्रीमती अनंत श्रीवास्तव जब भी अपनी समस्या को लेकर तहसील, जिलाधिकारी व अन्य अधिकारियों के चौखट पर अपने समस्या से निजात पाने के लिए जाती है तो उसे सिर्फ निराशा ही हाथ लगती है।जब कि वर्तमान समय में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शासन काल में सभी अधिकारियों को सख्त दिशा निर्देश जारी किया गया है कि भी उत्तर प्रदेश में सभी जिले व थाना क्षेत्रों में किसी भी महिला फरियादियों के समस्याओं का निकारण त्वरित करे। परंतु इस समय ऐसा यहां पर नहीं दिखाई देते हुए नजर आ रहा है। इससे पहले पीड़िता महिला श्रीमती अनंत श्रीवास्तव ने कोतवाली नगर क्षेत्र में काफी चक्कर लगा चुकी है परन्तु वहां से भी उन्हें असफलता ही हाथ लगी है। वही सूत्र के मुताबिक वह पीड़िता महिला श्रीमती अनंत श्रीवास्तव भी इस गंभीर मुद्दे को लेकर सभी अधिकारियों के चौखट पर दौड़ते दौड़ते आखिरकार गंभीर बीमारी का शिकार हो गई। इसके अलावा भी भुक्तभोगी पीड़िता ने जिलाधिकारी, मुख्यमंत्री पोर्टल, उपजिलाधिकारी सदर बाराबंकी, कोतवाली नगर बाराबंकी सहित अन्य अधिकारियों के यहां परंतु नतीजा कुछ नहीं निकला।वही अब यह देखना है कि भुक्तभोगी पीड़िता महिला श्रीमती अनंत श्रीवास्तव को चार साल बाद भी उनको अपना फ्लैट मिलता भी है या भूमाफिया स्थानीय अधिकारियों व कर्मियों के साथ साथ साथ सांठगांठ करके उनका फ्लैट नहीं मिलता है। यह तो आने वाला कल ही बतायेगा।

स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार में जवाहर नवोदय विद्यालय रहा अव्वल

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार में जवाहर नवोदय विद्यालय ओवर ऑल कैटेगरी में प्रथम स्थान पर रहा।

अध्यक्षता जिला अधिकारी ने की। मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला विकास अधिकारी. जिला विद्यालय निरीक्षक आदि कार्यक्रम में शामिल हुए।

श्री राम बारात में दर्शक गण दिखे भावविभोर

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : बाल राम लीला नाट्य कला मंदिर की राम बारात शोभायात्रा बड़ी धूमधाम से गाजे–बाजे के साथ निकाली गई। बारात प्रस्थान, नगर पालिका परिषद के पास से रामलीला संरक्षक डॉ0 मुरारी लाल गुप्ता द्वारा आरती व पूजा अर्चना के तदुपरांत हुआ। शोभा यात्रा नगर पालिका परिषद से चलकर दिलेरगंज

घास मंडी तिराहा गुलाब बैंड चौराहा से घंटा घर चौक होती हुई सरदारगंज पर समाप्त हुई जिसमें मुख्य रूप से वैष्णो माता की झांकी शैलपुत्री राम लक्ष्मण लक्ष्मी जी व कई तरह की मनमोहक झांकियों से शोभायात्रा सुसज्जित रही। सभी नगर निवासियों ने झांकियों का पूरा आनंद लिया, दर्शक गण शोभायात्रा में भावविभोर दिखाई दिए, जगह जगह राम बारात का स्वागत किया गया, शोभा यात्रा को कई जगह जलपान भी कराया गया, मुख्य रूप से गौतम रस्तोगी भैया लाल राठौर राहुल गुप्ता राजन राठौर व दीपक आदि ने जलपान की व्यवस्था की शोभायात्रा में समिति के संरक्षक विनोद प्रकाश गुप्ता अभय वर्मा शिव कुमार गुप्ता सत्य प्रकाश गुप्ता रमाकांत मिश्रा संस्थापक राजेश वर्मा अध्यक्ष चौधरी उमेश गुप्ता संयोजक धीरू अवस्थी महामंत्री बासु वर्मा के साथ ही साथ मनीष रस्तोगी दिनेश सैनी रमेश सैनी श्याम गुप्ता राहुल अमरीश द्विवेदी गोपाल गुप्ता योगेश गुप्ता आलोक गुप्ता आदेश त्रिवेदी प्रांजुल गुप्ता कुलदीप सिंह आदि लोग अपनी अपनी भूमिका का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते रहे।

जिले के थाना क्षेत्रों मे नहीं हो रहा किरायेदारों की सूची का सत्यापन : पुलिस अधिकारी के मुताबिक शीघ्र होगा सत्यापन

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) इस समय जिले की पुलिस जिले में रह रहे किरायेदारों की सूची का सत्यापन करने की जहमत नहीं उठा रही है।जिसके चलते जिले में बाहर से आने वाले घुमंतू व व ऐसे व्यक्ति जो बिना किसी डर के जिले के विभिन्न हिस्सों में कई महीनो तक आराम से रहते हैं और मौका मिलते ही वहां पर आसपास कोई बड़ा हादसा करके वहां से आराम से निकल जाते हैं। वही इसी कड़ी में इस तरह का हादसा हो क्यों न क्योंकि जिले की इन किरायेदारों व अन्य लोगों के बारे में जानकारी लेना मुनासिब नहीं समझती है। अगर देखा जाए तो तो सूत्र के मुताबिक प्रत्येक थाना क्षेत्रों में आगंतुक रजिस्टर, अपराध रजिस्टर, त्यौहार रजिस्टर व अन्य महत्वपूर्ण रजिस्टर रहती है तो उसी तरह इन थानों में किरायेदारों की जानकारी हेतु भी एक रजिस्टर होता है। प्रत्येक थाना व पुलिस चौकी पर पर फार्म भी किरायेदारों के लिए होता है।जिसे उक्त किरायेदारों द्वारा भरा जाता है। जिसका सत्यापन संबंधित पुलिस थाना की पुलिस व संबंधित पुलिस चौकी के पुलिस कर्मी करते हैं। जिसके चलते यह पता चलता है कि कि इस जिले में कितने लोग बाहर के है और वे कितने दिनों से यहां पर रह रहे हैं। अगर देखा जाए तो इस जगह पर अगर कोई अप्रिय घटना घटित होती है तो समय रहते ही पुलिस उसे अपने गिरफ्त में ले लेती है। परंतु किसी भी कोतवाली क्षेत्रों व पुलिस चौकी क्षेत्रों में किरायेदारों की सूची के फाइलो को दीमक चाट रही है।कुल मिलाकर अब जिले में किरायेदारों का सत्यापन एक दिखावा साबित हो रहा है। इस संबंध में जब स्वतंत्र चेतना समाचार पत्र के संवाददाता ने कोतवाली नगर क्षेत्र, कोतवाली कैंट क्षेत्र के साथ साथ इस थाना से संबंधित कई पुलिस चौकी पर उनके क्षेत्रों में किरायेदारों की सूची के संबंध में जानकारी लेना चाहा तो अधिकतर पुलिस कर्मियों ने बताया कि इधर अधिक व्यस्तता होने के चलते पुलिस किरायेदारों की सूची संबंधित जानकारी नही हासिल कर पा रही है। वही इस संबंध मे पुलिस विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इधर अधिक व्यस्तता होने के चलते यह कार्य नहीं हो रहा था। परंतु अब शीघ्र ही अमल में लाया जायेगा।

राम जन्म सीता स्वयंवर व परशुराम लक्ष्मण संवाद रहा अयोध्या की रामलीला में मुख्य आकर्षण का केन्द्र

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) पवित्र सलिला सरयू नदी के किनारे स्थित लक्ष्मण किला मैदान में इस बार तीसरे वर्ष अयोध्या की रामलीला का मंचन हो रहा है।जिसमें कई फिल्मी कलाकारों द्वारा इस रामलीला में भूमिका निभा कर इस रामलीला में चार चांद लगा रहे है।बुधवार को पूर्व नियोजित कार्यक्रम के मुताबिक अयोध्या की रामलीला में कलाकारों द्वारा राम जन्म, सीता स्वयंवर व परशुराम संवाद का मंचन किया गया। इस मौके पर जहां एक राजा दशरथ की भूमिका बी आर चोपड़ा की सीरियल महाभारत में धृतराष्ट्र की भूमिका निभा चुके टीवी कलाकार गिरिजा शंकर,राजा जनक की भूमिका में टीवी कलाकार गजेन्द्र चौहान, परशुराम की भूमिका में प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता व सांसद मनोज तिवारी,रावण की भूमिका में प्रसिद्ध फिल्म कलाकार शाहनवाज खान,राम की भूमिका में राहुल बूचर व सीता की भूमिका में प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री दीक्षा रैना ने बहुत ही जीवांत रुप से अपने अपने पात्रों को निभाने का कार्य किया।बुधवार को इस दौरान जहां एक ओर महाराज जनक की भूमिका निभा रहे प्रसिद्ध टीवी कलाकार गजेन्द्र चौहान ने अपने अभिनय ने यह कहकर आसपास का वातावरण शांत कर दिया जब सीता स्वयंवर में कोई भी राजा शिव धनुष को नहीं उठा सका तो उन्होंने यह कहा कि इस समय पृथ्वी वीरो से खाली हो गई है।जो बात सभा में मौजूद विश्वामित्र के साथ आये राम व लक्ष्मण आये में यह बात राम के छोटे भाई लक्ष्मण को नागवार लगी। इस मौके पर लक्ष्मण द्वारा किये गये संवाद से पूरी अयोध्या की रामलीला वीररस से परिपूर्ण हो गई।इसी कड़ी में राम की भूमिका निभा रहे राहुल बूचर ने शांति पूर्वक ढंग से अपने छोटे भाई लक्ष्मण को शांत पूर्वक बैठने के लिए आग्रह किया।वही इसी कड़ी में रामलीला में तब और चार चांद

लग जाता है जब गुरु विश्वामित्र के आदेश पर भगवान श्री राम की भूमिका निभा रहे राहुल बूचर ने शिव धनुष को को एक ही बार में उठा कर तोड़ देते हैं। उसके बाद माता सीता की भूमिका निभा रही अभिनेत्री दीक्षा रैना ने प्रभु श्री राम की गले में वरमाला पहनाती है वही भगवान राम जी माता सीता को वरमाला पहनातेध है।उसके बाद कुछ देर तक का समय मांगलिक गीतो से आसपास का वातावरण मंगलमय था।लेकिन उसी समय भगवान परशुराम की भूमिका निभा रहे प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता व सांसद मनोज तिवारी रामलीला मंचन पर प्रवेश करते ही क्रोध में नजर आ रहे थे।परंतु पहले तो भगवान परशुराम जी ने वहां पर मौजूद खास कर राजा जनक पर क्रोध व लक्ष्मण से संवाद और रोचक बना देते हैं।उसी समय वहां का वातावरण उस समय और भक्तिमय हो जाता है जब भगवान परशुराम को यह बात पता चलती है कि प्रभु श्री राम स्वयं जगदीश्वर साक्षात भगवान विष्णु जी है।कुल मिलाकर बुधवार को अयोध्या की रामलीला अब धीरे धीरे और रोचक होती जा रही है।

मृत रसोइयां के पुत्र को शिक्षको ने दी 65 हजार की सहायता राशि

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : प्राथमिक विद्यालय रीठी में कार्यरत रसोइया शोभावती देवी के आकस्मिक निधन पर ब्लाक के परिषदीय शिक्षको द्वारा दिये गए सहायता सहयोग राशि 65 हजार रुपया गुरुवार को शिक्षको ने मृत रसोइया के बेटे को सौपा। शिक्षको द्वारा एकत्रित किया गया सहायता सहयोग राशि से पाकर परिजनों भावुक हो गए। प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अमित सिंह में बताया कि जनपद के किसी भी परिषदीय विद्यालय पर तैनात सहयोगी का आकस्मिक निधन हो जाता है तो दुख के इस घड़ी में पीड़ित परिवार को ब्लाक के शिक्षकों द्वारा सहायता सहयोग राशि एकत्रित कर परिजनों के सौपा जाता है। उन्होंने बताया कि रसोइयां शोभावती देवी की निधन की सूचना मिलते ही ब्लाक के परिषदीय विद्यालयों पर तैनात शिक्षको ने न्याय पंचायत वार सहयोग राशि जुटाना शुरू किया। अब तक का एकत्रित 65 हजार की धनराशि जिलाध्यक्ष अमित सिंह के साथ ब्लाक अध्यक्ष द्वय मृत्युंजय सिंह व अजय पांडेय, मंत्री द्वय सन्तोष सिंह व राजीव उपाध्याय, उपाध्यक्ष राजीव सिंह लोहिया, संरक्षक रवि मिश्रा, सुरेन्द्र प्रजापति व उक्त विद्यालय के प्रधानाध्यापक मनोज सिंह के नेतृत्व में सहायता सहयोग धनराशि उनके पुत्र को सौपा गया। इस अवसर पर काशीनन्दन मिश्र, डा.विजय बहादुर सिंह, विनोद सिंह, मनोज सिंह, संतोष सिंह, शिवम सिंह, राकेश सिंह, चंदन सिह, शैलेन्द्र सिह, शिवकात सिंह, अतुल सिंह, अखिलेश दुबे, मयेन्द्र सिह, सुनील सिंह, रामबहादुर सिह, शैलेश सिंह देव, अरूण श्रीवास्तव, अमन सिंह, राजाराम यादव, श्याम बहादुर, मुकेश दुबे, हीरालाल यादव, प्रेम चंद मिश्रा, रमेश, प्रेम तिवारी, अनुराग नागर, अंकित पाण्डेय, विवेक सिह सोलंकी, रायसाहब यादव, शैलेश मिश्रा जी उपस्थित रहे।

भाजपा जिला महामंत्री ने बूस्टर डोज लगवाकर लोगों को कोविड टीकाकरण के लिए किया प्रेरित

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष में चल रहे सेवा पखवाड़े के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहाबाद में नगर भाजपा द्वारा लगाए गये बूस्टरडोज टीकाकरण केंद्र पर भाजपा जिला महामंत्री सत्येंद्र राजपूत ने पहुंच कर स्वयं बूस्टर डोज लगवाई तथा लोगों को बूस्टर डोज लगवाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कोरोना वायरस का टीका पूर्णतया सुरक्षित है इससे किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं है बल्कि यह हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि करता है जिससे हमें कोरोना से लड़ने में सहायता मिलती है, हम सभी को कोरोना की बूस्टर डोज लगवानी चाहिए जिन्होंने अपना टीकाकरण नहीं कराया है वह अपना टीकाकरण अवश्य कराएं। श्री राजपूत के साथ भाजपा कार्यकर्ता सुभाष सिंह सौरभ लाहोरी मुकेश कुमार नन्हे लाल राजपूत रमेश वह राजेंद्र राजपूत ने भी बूस्टर डोज लगवाई । कार्यक्रम में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डा० एम पी जयसवाल भाजपा नगर महामंत्री अंकित मिश्रा सुभाष सिंह भाजपा नेता राजेंद्र मिश्रा वरिष्ठ कार्यकर्ता सुभाष रस्तोगी नगर कोषाध्यक्ष कमल सिंह राजीव राठैर नगर युवा मोर्चा अध्यक्ष दौलत राम राठौर नगर पिछड़ा मोर्चा अध्यक्ष दीप

कमल राठौर नगर किसान मोर्चा अध्यक्ष हरि मिश्रा महामंत्री विक्रम राठौर नगर मंत्री अंकित गुप्ता रमेश राठौर कुलदीप श्रीवास्तव राजीव राठौर पिंटू पांडे कुलदीप श्रीवास्तव आदि लोग उपस्थित रहे।

मिड डे मील में की गई लापरवाही पर प्रधानाध्यापिका सस्पेंड : सहायक अध्यापिका के विरुद्ध की कार्यवाही

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) जिले के बीकापुर शिक्षा क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय डीहवा पांडेय का पुरवा में मंगलवार को मिड डे मील में बच्चों के चावल–नमक खाने के मामले का डीएम नीतिश कुमार ने संज्ञान लिया है। जिसमें मध्यान्ह भोजन योजना के तहत भोजन को मानक के अनुसार न दिए जाने पर प्रधानाध्यापिका एकता यादव को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया गया है। वही इसी कड़ी में सहायक अध्यापिका गायत्री देवी से स्पष्टीकरण तलब किया गया है।जबकि प्रधान अनिल सिंह को नोटिस जारी करते हुए डीपीआरओ को जांच के आदेश दिए हैं। इस संबंध मे में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष राय ने बताया कि प्रधानाध्यापिका एकता यादव को निलंबित कर दिया गया है। वही सहायक अध्यापिका गायत्री गुप्ता के विरुद्ध भी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा रही है।जबकि ग्राम प्रधान को भी नोटिस दी जा रही रही है। यह मामला बीकापुर शिक्षा क्षेत्र के डिहवा पांडे का पुरवा बैंती प्राथमिक विद्यालय का है। इस संबंध में बताया गया कि 27 सितंबर मंगलवार को सुबह शिक्षा ग्रहण करने आए बच्चों को मध्यान भोजन में सादा चावल और नमक परोसे जाने के बाद कई बच्चों द्वारा भोजन करने से इंकार कर दिया गया। जिस पर अभिभावकों से शिकायत की गई।इसकी जानकारी होने पर कई अभिभावक और ग्रामीण भी विद्यालय पहुंचे और मामले को लेकर आक्रोश व्यक्त किया।ग्रामीणों द्वारा मध्यान भोजन में बच्चों को चावल और नमक वितरित दिए जाने का वीडियो बनाकर वायरल किया। जिस पर जिलाधिकारी नितीश कुमार ने कार्यवाही करने का दिशा निर्देश जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को दिया।

सर्व शिक्षा अभियान के तहत नछत्र शाला का किया गया उद्घाटन

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : आज गंज जलालाबाद मे जूनियर हाई स्कूल गंज जलालाबाद मे पढ़ने वाले बच्चों के लिए राज्य सरकार की स्कीम सर्व शिक्षा अभियान के तहत एक नछत्र शाला का उद्घाटन माननीय राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार आयुष खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग डॉक्टर दयाशंकर मिश्रा (दयालू) ने किया। राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही 350 से अधिक स्कीम से ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोडने का काम करने वाले ग्राम प्रधान अभिषेक दीक्षित जी को मंत्री जी ने धन्यवाद देते हुए कहा कि वह राज्य सरकार से प्रयास कर अधिक से अधिक योजनाओं को गांव व क्षेत्र के लोगो तक पहुंचाने का काम करेंगे। वह चाहे स्वास्थ्य से जुड़ी समस्या हो या पेयजल की समस्या या शिक्षा की व्यवस्था हो या रोड की समस्या या विधुत समस्या सभी समस्याओं का हल ग्राम गंज जलालाबाद मे किया जाएगा जिसका जीता जागता उदाहरण पानी की टंकी, पावर हाउस, राजकीय विद्यालय, सीसी रोड, पीएचसी अस्पताल की सुविधाएं है जो गंज जलालाबाद मे है। माननीय मंत्री ने अपने भाषण मे गंज जलालाबाद की पीएचसी मे एक आयुर्वेद स्टाफ की जल्द से जल्द नियुक्ति के लिए कहा व सामाजिक विकास की दिशा में काम करने के लिए प्रधान व ग्रामवासियों को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर क्षेत्रीय किसान मोर्चा के मंत्री अखिलेश कटियार व मंडल अध्यक्ष बाबा शिवराज सिंह, भाजपा वरिष्ठ नेता अभय शंकर शुक्ल व खंड शिक्षा अधिकारी प्रभाष श्रीवास्तव, प्रधान अभिषेक दीक्षित, स्पर्श दीक्षित, नवीन तिवारी आदि लोगो ने मंत्री डॉ० दयाशंकर मिश्र का भव्य स्वागत समारोह किया।

मीट फैक्टरी की पैकेजिंग यूनिट में अमोनिया रिसाव से 50 मजदूर बेहोश : डीएम–एसपी मौके पर पहुंचे

अलीगढ़ ब्यूरो : महानगर से सटी तालसपुर स्थित अलदुआ मीट फैक्टरी की पैकेजिंग यूनिट में गुरुवार सुबह अचानक अमोनिया गैस का रिसाव होने लगा। इससे वहां काम कर रहीं लगभग 50 मजदूर बेहोश हो गईं। इसकी खबर फैलते ही फैक्टरी प्रबंधन में खलबली मच गई। गैस रिसाव से बेहोश हुईं महिलाओं को जेएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज हो रहा है। डीएम और एसएसपी ने फैक्टरी व अस्पताल जाकर स्थिति का जायजा लिया है। फैक्टरी में 50 मजदूरों के बेहोश होने की खबर फैलते ही जिला प्रशासन सक्रिय हो गया। जिला अधिकारी (डीएम) और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) मौके पर पहुंच गए हैं। विशेषज्ञ अमोनिया रिसाव को बंद कर रहे हैं। मौके पर फैक्टरी में सभी लोग मास्क लगाए हुए हैं, जिससे कोई और इसकी चपेट में ना आ जाए।

सम्पादक मंडल
श्री शिवशंकर द्विवेदी संयुक्त सचिव (सेवा निवृत्त) उ0प्र0 शासन, लखनऊ, पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।